www.bharatsamvad.in

R.N.I.No- UPHIN/2009/30939

सत्य का स्वर

भारत संवाद

प्रयागराज, लखनऊ तथा मुम्बई से एक साथ प्रकाशित

ऐप में पढ़े
E-PAPER
भारत संवाद
Scan for E-Paper or Search on Play store Bharat Samvad E-Paper

मौसम

अधिकतम तापमान 39.c

30.c न्यूनतम तापमान

बाजार

सोना 101.700g

चांदी 106.000 kg

2 जरूरी सवालों की अनदेखी करती रिपोर्ट, पूरा दोष पायलटों पर मढ़ने का प्रयास

ट्रम्प बोले-पुतिन दिन में मीठी बातें, रात में बमबारी करते हैं 06

वर्ष :17 | अंक :104 | प्रयागराज , मंगलवार , 15 जुलाई 2025 | पृष्ठ : 06 | मूल्य : 1: 00 रुपए

संक्षिप्त समाचार

पीलीभीत में बाघ के हमले में किसान की मौत

उत्तर प्रदेश के पीलीभीत जिले में सोमवार सुबह बाघ के हमले में एक किसान की मौत हो गयी। वन विभाग के एक अधिकारी ने घटना की पुष्टि की है। वन विभाग के अधिकारी के मुताबिक सोमवार सुबह जिले के न्यूरिया थाना क्षेत्र के बड़ी फुलहर गांव में बाघ ने एक किसान दयाराम (39) पर हमला कर दिया। बाघ के हमले में गंभीर रूप से घायल होने के बाद किसान की मौत हो गयी। दयाराम सुबह अपने घर के सामने खेत में गन्ने की फसल देखने गया था, जहां पहले से बैठे बाघ ने उस पर हमला कर दिया और गन्ने के खेत में 20 मीटर अंदर तक घसीट ले गया। उसकी चीख सुनकर आसपास के खेतों में काम कर रहे लोग पहुंचे तब तक दयाराम की मौत हो चुकी थी। प्रभागीय वन अधिकारी (डीएफओ) भरत कुमार ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि वन विभाग की टीम को मौके पर भेजकर पूरे क्षेत्र को घेर लिया गया है। क्षेत्र के ग्रामीणों को सतर्क कर दिया गया है। मृतक किसान दयाराम के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस और वन विभाग की टीम को ग्रामीणों ने बताया कि दो माह से क्षेत्र में बाघ घूम रहा है। इस संबंध में ग्रामीणों द्वारा वन विभाग से कई बार शिकायत की गई, लेकिन अधिकारियों ने ध्यान नहीं दिया। इस घटना के बाद ग्रामीणों और मृतक के परिजनों में रोष व्याप्त है।

मस्जिद के तालाब में डूबने से 12 वर्षीय लड़के की मौत

उडुपी के बेंइन्दूर इलाके में बीती शाम एक दुखद घटना में एक 12 वर्षीय बालक गलती से एक मस्जिद के तालाब में फिसल गया और डूबने से उसकी मौत हो गयी। पुलिस सूत्रों ने बताया कि मृतक की पहचान बेइन्दूर के अब्दुल रहीम के बेटे अयान रज्जा (12) के रूप में हुई है। खबरों के मुताबिक, वह येदथारे गांव में जामिया मस्जिद के पास तालाब में अपने पैर धोने गया था तभी वह फिसलकर गहरे पानी में गिर और डूबने से उसकी मौत हो गई। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

बिहार बना क्राइम कैपिटल ऑफ इंडिया , कुर्सी बचा रहे सीएम, राहुल का नीतीश सरकार पर निशाना

सरकार पर निशाना

▸▸ राहुल गांधी ने भी सरकार पर निशाना साधा है। राहुल ने एक्स पर लिखा कि बिहार बना क्राइम कैपिटल ऑफ इंडिया - हर गली में डर, हर घर में बेचैनी! बेरोजगार युवाओं को हत्यारा बना रहा है गुंडा राज।

एजेंसी

बिहार में इस साल होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर सियासत तेज हो गई है। वहीं, विपक्ष बिहार में कानून व्यवस्था और मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण को लेकर एनडीए सरकार पर लगातार हमला बोल रहा है। इन सबके बीच कानून व्यवस्था को लेकर राहुल गांधी ने भी सरकार पर निशाना साधा है। राहुल ने एक्स पर लिखा कि बिहार बना क्राइम कैपिटल ऑफ इंडिया - हर गली में डर, हर घर में बेचैनी! बेरोजगार युवाओं को हत्यारा बना रहा है गुंडा राज।

नीतीश कुमार पर निशाना साधते हुए राहुल ने आगे लिखा कि सीएम कुर्सी बचा रहे हैं, बीजेपी मंत्री कमीशन कमा रहे हैं। मैं फिर दोहरा रहा हूं - इस बार वोट सिर्फ सरकार बदलने का नहीं, बिहार को बचाने का है। व्यापारियों, राजनेताओं, वकीलों, शिक्षकों और आम नागरिकों को निशाना बनाकर एक के बाद एक अंजाम दी जा रहीं हत्या की घटनाओं ने बिहार की कानून-व्यवस्था को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा कर दी हैं। पुलिस ने इन घटनाओं के एक वकील और एक शिक्षक सहित कई लोगों की हत्याओं ने चुनाव से पहले बिहार को दहला दिया है। राज्य अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एससीआरबी) के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, राज्य में जनवरी से जून के बीच हर महीने औसतन 229 हत्याओं के साथ 1,376 हत्या के मामले दर्ज किए गए, जबकि 2024 में यह संख्या 2,786 और 2023 में 2,863 थी। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के अनुसार, अवैध रूप से निर्मित या बिना वैध लाइसेंस के खरीदे गए आग्नेयास्त्रों के प्रसार और कारतूसों व गोला-बारूद की अनियंत्रित उपलब्धता ने हाल में हिंसक अपराधों में तेजी ला दी है।

इस बार वोट सिर्फ सरकार बदलने का नहीं, बिहार को बचाने का है

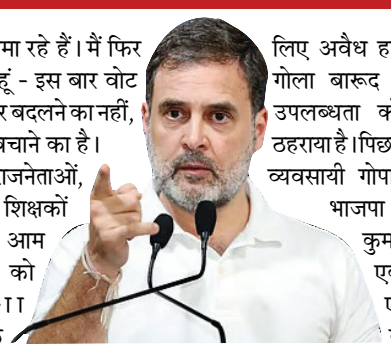

तेजस्वी बोले- रिमोट कंट्रोल से प्रधानमंत्री बिहार को संभाल रहे

तेजस्वी यादव ने बढ़ते अपराध पर एक बार फिर सरकार को घेरा है। पटना में अपने आवास के बाहर मीडिया से बात करते हुए कहा कि - "मुख्यमंत्री अचेत अवस्था में हैं। उनसे बिहार संभल नहीं रहा है। रिमोट कंट्रोल से प्रधानमंत्री बिहार को संभाल रहे हैं।"यहां के अपराधी अब सम्राट बन चुके हैं और विजय प्राप्त कर चुके हैं। राज्य में लॉएंड ऑर्डर पूरी तरह चरमरा चुका है। बिहार में क्रिमिनल डिसऑर्डर हो चुका है। यहां शिक्षक, डॉक्टर, वकील की हत्याएं हो रही हैं। छोटे बच्चों के साथ गैंगरेप की घटनाएं हो रही हैं। कोई सुरक्षित महसूस नहीं कर रहा है। यहां तक कि भाजपा नेताओं की भी हत्याएं हो रही हैं। "वही सूत्र को लेकर दिए बयान पर तेजस्वी यादव ने फिर वही बात दोहराई। उन्होंने कहा- "हर बार कोई न कोई झूठा सूत्र आता है, हर बार खंडन करना पड़ता है, हर बार माफी मांगनी पड़ती है।

लालू यादव ने पीएम मोदी, सीएम नीतीश पर कसा तंज

लालू यादव ने सोशल मीडिया एक्स पर अपनी पोस्ट के जरिए प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री पर निशाना साधा है। उन्होंने दोनों की फोटो के साथ शेयर पोस्ट में लिखा- "वर्तमान और भविष्य भूल, इतिहास में जीने वाले प्राणी, अपना कुछ किया नहीं, दूसरों का किया कहा नहीं।" पोस्टर में मुख्यमंत्री के हाथ में एक पैम्फलेट है जिसमें लिखा है- बलात्कार, हत्या, चोरी, डकैती, भ्रष्टाचार।" वहीं प्रधानमंत्री के हाथ में जो पैम्फलेट है, उसमें लिखा- "केंद्र की सत्ता बचा रहे, बिहार को सता रहे।"

सुप्रीम कोर्ट बोला- केंद्र-राज्य सरकारें हेट स्पीच को रोकें

लेकिन नागरिकों की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता बनी रहे; हेट स्पीच के आरोपी की गिरफ्तारी पर रोक लगाई

सुप्रीम कोर्ट बोला- लोगों को हेट स्पीच कंटेंट को लाइक नहीं करना चाहिए सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र, राज्यों और वजाहत खान के वकील से सुझाव मांगे कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को नुकसान पहुंचाए बिना हेट स्पीच को कैसे नियंत्रित किया जा सकता है।

एजेंसी

नई दिल्ली , सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा- केंद्र और राज्य सरकारें हेट स्पीच यानी नफरत फैलाने वाले भाषणों को रोकें। साथ ही इस बात का ध्यान रखें कि नागरिकों की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का उल्लंघन न हो। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस केवी विश्वनाथन की बेंच ने कहा- लोग नफरत भरे भाषण को बोलने की आजादी समझ रहे हैं, जो गलत है। लोगों को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को लेकर जागरूक करने की जरूरत है, ताकि सरकार को इसे नियंत्रित करने की जरूरत न पड़े।

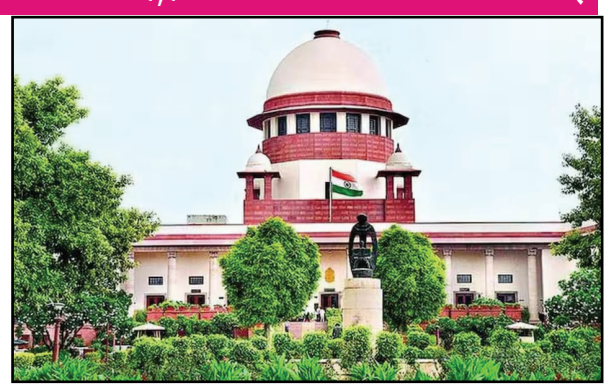

सुप्रीम कोर्ट ने ये बातें कोलकाता के वजाहत खान की याचिका पर सुनवाई के दौरान की। उस पर कई राज्यों में सोशल मीडिया पर नफरत और सांप्रदायिक अशांति भड़काने वाला कंटेंट पोस्ट करने के आरोप में मामले दर्ज किए गए हैं।कोर्ट कहा- लोगों को हेट स्पीच क्यों अटपटे और गलत नहीं लगते हैं। ऐसे कंटेंट पर नियंत्रण होना चाहिए। साथ ही लोगों को भी ऐसे नफरत भरे कंटेंट को शेयर करने और लाइक करने से बचना चाहिए।वकील बोला- मेरे क्लाइंट ने माफी मांग ली है सुप्रीम कोर्ट ने खान की गिरफ्तारी पर रोक जारी रखी है। साथ ही कहा, बार-बार ऋकफ और जेल भेजने से क्या फायदा? क्या वास्तव में सभी केस एक ही ट्वीट से जुड़े हैं? इस पर खान के वकील ने कहा- मेरे क्लाइंट ने पुराने ट्वीट्स को लेकर माफी मांग ली है। मैं सिर्फ यही चाहता हूं कि कोर्ट यह देखे कि सभी ऋकफ वाकई इन्हीं ट्वीट्स से जुड़ी हैं या नहीं।

हरियाणा और गोवा को मिला नया राज्यपाल

कविंदर गुप्ता को बनाया गया लद्दाख का एलजी

ये नियुक्तियाँ उस तिथि से प्रभावी होंगी जिस दिन नए नियुक्त व्यक्ति अपने-अपने कार्यालयों का कार्यभार संभालेंगे। ये नियुक्तियाँ दो राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में प्रमुख संवैधानिक पदों पर फेरबदल का संकेत हैं।

एजेंसी

सोमवार को जारी एक आधिकारिक सूचना के अनुसार, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने प्रोफेसर अशीम कुमार घोष को हरियाणा का नया राज्यपाल और पुसापति अशोक गजपति राजू को गोवा का राज्यपाल नियुक्त किया है। जम्मू-कश्मीर के पूर्व उपमुख्यमंत्री कविंदर गुप्ता को लद्दाख का नया उपराज्यपाल नियुक्त किया

गया है। राष्ट्रपति ने लद्दाख के उपराज्यपाल पद से ब्रिगेडियर (डॉ.) बीडी मिश्रा (सेवानिवृत्त) का इस्तीफा भी स्वीकार कर लिया है। ये नियुक्तियाँ उस तिथि से प्रभावी होंगी जिस दिन नए नियुक्त व्यक्ति अपने-अपने कार्यालयों का कार्यभार संभालेंगे। ये नियुक्तियाँ दो राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में प्रमुख संवैधानिक पदों पर फेरबदल का संकेत हैं। आशिम कुमार घोष, जिन्होंने वरिष्ठ शैक्षणिक पदों पर कार्य किया है और उच्च शिक्षा में अपने प्रशासनिक अनुभव के लिए जाने जाते हैं, हरियाणा के राज्यपाल का पदभार ग्रहण करेंगे।वरिष्ठ राजनीतिक हस्ती और पूर्व केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री, पुष्पति अशोक गजपति राजू, गोवा में कार्यभार संभालेंगे। राजू ने अपने दशकों लंबे राजनीतिक जीवन में आंध्र प्रदेश और केंद्र दोनों में कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है।

बोर्ड लगाकर बताएं-समोसे में कितना तेल, जलेबी में कितनी शक्कर

केंद्र सरकार का आदेश- स्कूल-ऑफिस कैंटीन खाने में कैलोरी की जानकारी

समोसा-जलेबी पर चेतावनी होगी, लेकिन पाबंदी नहीं

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक समोसे, जलेबी को लेकर चेतावनी तो लिखी जाएगी, लेकिन उन पर पाबंदी नहीं लगाई जाएगी। केंद्र सरकार के सभी मंत्रालयों, विभागों और स्वायत्त संस्थानों की कैंटीन में यही नियम लागू होगा।

एजेंसी

नई दिल्ली , आपके समोसे में कितना तेल है, लड्डू और जलेबी में कितनी शक्कर है और वड़ा पाव में कितनी कैलोरी है, यह जानकारी भी स्नैक्स के साथ मिलेगी। स्वास्थ्य मंत्रालय ने केंद्र सरकार के सभी विभागों से कहा है कि वे अपनी कैंटीन में बेचे जा रहे सामान के लिए 'तेल और शक्कर' चेतावनी बोर्ड लगाएं।आगे बढ़ने से पहले एक नजर समोसे में मौजूद कैलोरीज पर अब 6

सवाल 1: समोसा और जलेबी का ये नियम क्या है?

जवाब: भारत सरकार के स्वास्थ्य

मंत्रालय ने अब समोसा, जलेबी, लड्डू और वड़ा पाव जैसी खाने की चीजों को स्वास्थ्य के लिए हानिकारक मानते हुए इन पर चेतावनी जारी करने को कहा है। इसके लिए केंद्रीय संस्थानों में 'तेल और शक्कर चेतावनी बोर्ड' लगाने के निर्देश दिए गए हैं।

कांवड़ यात्रा के दौरान किसी भी तरह की गड़बड़ी बर्दाश्त नहीं की जाएगी

सीएम रेखा गुप्ता की चेतावनी

एक कार्यक्रम से इतर उन्होंने कहा कि सरकार शिवभक्तों के लिए पूरी तरह सुरक्षित और आरामदायक कांवड़ यात्रा सुनिश्चित करेगी। हम पूरी सुविधाएँ देंगे और कांवड़ियों का स्वागत करेंगे।

एजेंसी

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को कहा कि कांवड़ यात्रा के दौरान किसी भी प्रकार की गड़बड़ी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कुछ दिन पहले शाहदरा में यात्रा मार्ग पर कांच के टुकड़े बिखरे पाए गए थे। एक कार्यक्रम में बोलते हुए, गुप्ता ने यात्रा में किसी भी तरह की बाधा उत्पन्न करने

के खिलाफ चेतावनी दी और कहा कि उनकी सरकार कांवड़ियों को सुविधाएँ प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि कांवड़ यात्रा मार्ग पर लगभग 400 मीटर तक कांच के टुकड़े बिखरे हुए पाए गए। किसी भी तरह की गड़बड़ी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अगर कांवड़ यात्रा में कोई सुरक्षा बाधा या रुकावट पैदा की जाती है, तो संबंधित व्यक्ति को सरकार को जवाब देना होगा।

दीवार फांदकर नक्शबंद साहिब कब्रिस्तान पहुंचे उमर अब्दुल्ला, धक्का-मुक्की का लगाया आरोप

जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला दीवार फांदकर नौहट्टा स्थित शहीदों कब्रिस्तान में दाखिल हुए

'हमें रोकने की कोशिश की'

वहीं, मीडिया से बात करते हुए जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री ने कहा, यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि जो लोग कानून-व्यवस्था बनाए रखने के जिम्मेदारी हैं, उनके आदेश पर हमें कल फातिहा पढ़ने की इजाजत नहीं दी गई. सुबह से ही सभी को नजरबंद कर दिया गया था. जब मैंने कंट्रोल रूम को बताया कि मैं यहां फातिहा पढ़ने आना चाहता हूं, तो कुछ ही मिनटों में मेरे घर के बाहर बैरियर लगा दिए गए और वे रात के 12-1 बजे तक वहां रहे. आज मैं बिना किसी को बताए यहां आया था. आज भी उन्होंने हमें रोकने की कोशिश की.

एजेंसी

श्रीनगरः केंद्र सरकार के खिलाफ एक आक्रामक कदम उठाते हुए जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला सोमवार को अपने कैबिनेट मंत्रियों के साथ नौहट्टा स्थित शहीदों के कब्रिस्तान पहुंचे, जहां उन्हें रोकने की कोशिश की गई. हालांकि, अब्दुल्ला

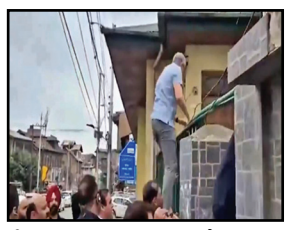

दीवार फांदकर कब्रिस्तान में दाखिल हो गए. इस संबंध में उन्होंने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, 13 जुलाई 1931 के शहीदों की कब्रों पर श्रद्धांजलि अर्पित की और फातिहा पढ़ी. अनिर्वाचित सरकार ने मेरा रास्ता रोकने की कोशिश की और मुझे नौहट्टा चौक से पैदल चलने पर मजबूर किया. उन्होंने नक्शबंद साहब की दरगाह का दरवाजा बंद कर दिया और मुझे दीवार फांदने पर मजबूर किया. उन्होंने मुझे शारीरिक रूप से पकड़ने की कोशिश की, लेकिन आज मैं रुकने वाला नहीं था.

'हम किसी के गुलाम नहीं'

उमर अब्दुल्ला ने आगे कहा, मैं जानना चाहता हूं कि किस कानून के तहत मुझे रोका गया...वे कहते हैं कि यह एक आजाद देश है, लेकिन वे सोचते हैं कि हम उनके गुलाम हैं. हम किसी के गुलाम नहीं हैं.

सावन के पहले सोमवार पर शिवालयों में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

देशभर में हर हर महादेव की गूँज

हम आपको बता दें कि वाराणसी के काशी विश्वनाथ मंदिर, उत्तराखंड के केदारनाथ और झारखंड के बाबा बैद्यनाथ धाम जैसे प्रमुख शिवधामों में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी। हजारों श्रद्धालु गंगा जल और अन्य पवित्र जल स्रोतों से जल लाकर शिवलिंग का अभिषेक करने पहुंचे।

एजेंसी

शिवभक्तों के लिए सावन के सोमवार का दिन सबसे पावन माना जाता है। इस वर्ष के पहले सोमवार को देशभर में शिवालयों में भक्ति, आस्था और श्रद्धा का अद्भुत नजारा देखने को मिल रहा है। कहीं शिवालयों में घंटों लंबी कतारें लगीं हैं तो कहीं कांवड़िये

हर-हर महादेव के जयघोष के साथ जलाभिषेक कर रहे हैं। पूरे देश में यह दिन शिवभक्ति के उत्सव में बदल गया है। हम आपको बता दें कि वाराणसी के काशी विश्वनाथ मंदिर, उत्तराखंड के केदारनाथ और झारखंड के बाबा बैद्यनाथ धाम जैसे प्रमुख शिवधामों में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी। हजारों श्रद्धालु गंगा जल और अन्य पवित्र जल स्रोतों से जल लाकर शिवलिंग का अभिषेक करने पहुंचे।

जिम्मेदारी एलजी मनोज सिन्हा का बड़ा बयान

पहलगाम में सुरक्षा चूक हुई, मैं इसकी पूरी जिम्मेदारी लेता हूं...

एजेंसी

नयी दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने पहलगाम आतंकी हमले की पूरी ज़िम्मेदारी ली है। इस हमले में 26 लोगों की जान चली गई थी। टाइम्स ऑफ इंडिया के अनुसार, उन्होंने आगे कहा कि हालाँकि आतंकवादियों की पहचान हो गई है, लेकिन पुलिस अभी तक उन्हें पकड़ नहीं पाई है। एलजी मनोज सिन्हा ने कहा कि वह हमले की पूरी जिम्मेदारी लेते हैं और कहा कि यह वास्तव में सुरक्षा विफलता थी। सिन्हा ने टाइम्स ऑफ इंडिया को दिए एक साक्षात्कार में कहा कि पहलगाम में जो हुआ वह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण था; निर्दोष लोगों की बेरहमी से हत्या की गई। मैं इस घटना की पूरी ज़िम्मेदारी लेता हूँ, जो निस्संदेह एक सुरक्षा चूक थी। यहाँ

आम धारणा यह रही है कि आतंकवादी पर्यटकों को निशाना नहीं बनाते। जिस जगह पर हमला हुआ वह एक खुला मैदान है। 2020 में कार्यभार संभालने वाले जम्मू-कश्मीर के दूसरे उपराज्यपाल ने भी एक चौंकाने वाली बात बताई। उन्होंने स्वीकार किया कि जिस जगह यह घटना हुई, वह एक खुला मैदान है और वहाँ सुरक्षा बलों के लिए कोई सुविधा या जगह नहीं थी। उन्होंने राष्ट्रीय दैनिक को बताया, ₹वहाँ सुरक्षा बलों के लिए कोई सुविधा या जगह नहीं है,₹ और आगे कहा कि यह एक पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवादी हमला था। इस मामले में एनआईए द्वारा की गई गिरफ्तारियाँ स्थानीय संलिप्तता की पुष्टि करती हैं, लेकिन फिर भी यह निष्कर्ष निकालना गलत होगा कि जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा वातावरण पूरी तरह से दूषित हो गया है। उन्होंने यह भी कहा कि घाटी में बंद और पथराव की घटनाएँ अब अतीत की बात हो गई हैं।

सिन्हा ने टाइम्स ऑफ इंडिया को दिए एक साक्षात्कार में कहा कि पहलगाम में जो हुआ वह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण था; निर्दोष लोगों की बेरहमी से हत्या की गई। मैं इस घटना की पूरी ज़िम्मेदारी लेता हूँ, जो निस्संदेह एक सुरक्षा चूक थी।

उपराज्यपाल ने बताया कि पहलगाम हमले के बाद जम्मू-कश्मीर में पर्यटकों की संख्या में भारी मात्रा में गिरावट आई है. उन्होंने कहा मुझे ऐसा लगता है कि अमरनाथ यात्रा इसके लिए नया मोड़ साबित होगा. अमरनाथ यात्रा की वजह से भारी संख्या में पर्यटक जम्मू-कश्मीर आ सकते हैं. सिन्हा ने कहा कि सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखकर कई सभी जगहों को यात्रियों के लिए खोल दिया गया है. कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने मनोज सिन्हा के बयान को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा. खेड़ा ने कहा कि आखिरकार उन्होंने हमले के 82 दिन बाद पहलगाम हमले की ज़िम्मेदारी ले ली. उन्होंने कहा कि ऐसा करके वो दिल्ली में किसकी रक्षा कर रहे हैं? इसके आगे खेड़ा ने कहा कि कितने दिन, हफ्ते, महीने लगेंगे जब उन्हें जिम्मेदार ठहराया जाएगा.

समाज को ऐसे लोगों की जरूरत, जो सरकार के खिलाफ याचिकाएं दायर करें, नितिन गडकरी का बयान

नागपुर में स्वर्गीय प्रकाश देशपांडे स्मृति कुशल संगठक पुरस्कार समारोह में बोलते हुए, वरिष्ठ भाजपा नेता ने कहा कि अदालती आदेश से ऐसे काम हो सकते हैं जो सरकार भी नहीं कर सकती। उन्होंने कहा कि समाज में कुछ ऐसे लोग होने चाहिए जो सरकार के खिलाफ अदालत में याचिका दायर करें। इससे राजनेताओं में अनुशासन आता है।

एजेंसी

नयी दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने लोक प्रशासन में अनुशासन सुनिश्चित करने के लिए सरकार के खिलाफ अदालती मामले दायर करने की आवश्यकता पर बल दिया है। नागपुर में स्वर्गीय प्रकाश देशपांडे स्मृति कुशल संगठक पुरस्कार समारोह में बोलते हुए, वरिष्ठ भाजपा नेता ने कहा कि अदालती आदेश से ऐसे काम हो सकते हैं जो सरकार भी नहीं कर सकती। उन्होंने कहा कि समाज में कुछ ऐसे लोग होने चाहिए जो सरकार के खिलाफ अदालत में याचिका दायर करें। इससे राजनेताओं में अनुशासन आता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि सरकार के मंत्री भी वह काम नहीं कर सकते जो अदालती आदेश से हो सकता है। लोकप्रिय राजनीति राजनेताओं और मंत्रियों के आड़े आती है। गडकरी ने बताया कि इस कार्यक्रम में कुशल संगठक के रूप में सम्मानित किए गए लोगों ने सरकार के खिलाफ ऐसी कई कानूनी लड़ाइयाँ लड़ीं।

देश में सड़क नेटवर्क में क्रांति लाने के लिए जाने जाने वाले भाजपा नेता ने कहा कि कुशल संगठकों ने शिक्षा क्षेत्र में गलत सरकारी फैसलों के खिलाफ कई अदालती मामले दायर किए और कई मौकों पर सरकार को अपने फैसले वापस लेने के लिए मजबूर भी किया।

सम्पादकीय

आर्थिकी के लिए चुनौती बने बैंकिंग फ्रॉड, इन मामलों से घटता है जनता का भी भरोसा

निकट भविष्य में डिजिटल बैंकिंग अर्थव्यवस्था का नेतृत्व करेगी। फिनटेक भारतीय बैंकिंग और भुगतान प्रणाली के लिए आगे का रास्ता है। बस आवश्यकता है इसे सुगम और सुरक्षित बनाने की। इसके लिए बैंकों द्वारा केवल ह्सावधान रहेंह्व कहना पर्याप्त नहीं है। इससे काम नहीं चलने वाला है। समय के साथ पेमेंट इंडस्ट्री को मजबूत और टिकाऊ बनाना होगा।आरबीआइ द्वारा हाल में जारी किए बैंकिंग धोखाधड़ी के आंकड़े चिंतित करते हैं। इसके अनुसार देश में बैंकिंग धोखाधड़ी का दायरा तेजी से बढ़ रहा है। वित्त वर्ष 2023-24 में धोखाधड़ी की रकम 12,230 करोड़ रुपये थी, जो 2024-25 में करीब तीन गुना बढ़कर 36,014 करोड़ रुपये हो गई। इसमें सरकारी बैंकों में हुई धोखाधड़ी की राशि 25,667 करोड़ रुपये और निजी क्षेत्र के बैंकों में हुई धोखाधड़ी की राशि 10,088 करोड़ रुपये थी। आरबीआइ के अनुसार इस वृद्धि का एक बड़ा कारण 2023 में सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले के अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए 122 पुराने मामलों को जोड़ना है। हालांकि इससे बैंकों से गायब हुए 36,014 करोड़ रुपये की समस्या कम नहीं हो जाती। बैंकिंग धोखाधड़ी का प्रभाव वित्तीय नुकसान तक सीमित नहीं होता है। ये बैंकों में जनता के विश्वास को भी कम करते हैं। वर्ष 2016 में नए नोटों को प्रिंट करने के साथ आरबीआइ ने दावा किया था कि इनमें जो सुरक्षा के उपाय किए गए हैं, उनकी नकल करना काफी मुश्किल है, फिर भी यह नहीं रुक पा रहा है। 2024-25 में बैंकिंग सेक्टर में पकड़े गए नकली नोटों की संख्या में 200 और 500 रुपये की श्रेणी में क्रमशः 14 प्रतिशत और 37 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई। यह नहीं कहा जा सकता कि सरकार और रिजर्व बैंक इसे रोकने के लिए प्रयास नहीं कर रहे हैं, लेकिन जैसे-जैसे नोटों की सुरक्षा बढ़ाने के लिए नए-नए उपाय किए जा रहे हैं, वैसे-वैसे ठग उनकी नकल करने की तकनीक भी विकसित करते जा रहे हैं, जिससे आम आदमी के लिए नकली और असली नोटों के बीच अंतर करना मुश्किल हो जाता है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआइए) ने पाया है कि इन नकली नोटों को भारत भेजने के लिए नेपाल और पाकिस्तान के मार्ग का उपयोग किया जा रहा है।ये नकली नोट पाकिस्तान में छापे जाते हैं। बाजार में नकली करेंसी आने से मौजूद धन की मात्रा में वृद्धि हो जाती है, जो बाजार में मुद्रास्फीति को बढ़ाती है और माल एवं सेवाओं की भारी मांग उत्पन्न करती है। इसके अतिरिक्त ऐसे नकली नोटों का उपयोग आतंकवादियों द्वारा भारत के खिलाफ किया जा रहा है। जाली नोट किसी भी अर्थव्यवस्था के लिए घातक होते हैं। इससे पार पाना आरबीआइ और सरकार के लिए एक बड़ी चुनौती है।

आज का विचार

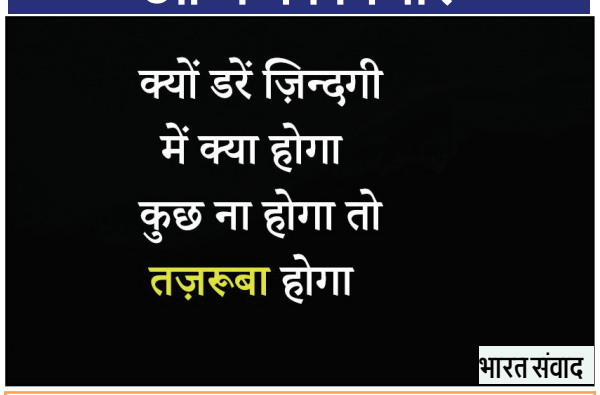

राशिफल

मेष राशिःकरियरः माता-पिता के आशीर्वाद से आज काम में अच्छे परिणाम मिलेंगे. आपके व्यवहार और काम का सकारात्मक असर दूसरों पर पड़ेगा. बिजनेसः अगर आप कोई नया बिजनेस शुरू करना चाहते हैं, तो बिजनेस से जुड़े अनुभवी लोगों से सलाह जरूर लें.

वृषभ राशि :करियरः आज दांपत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी, जिससे मन प्रसन्न रहेगा. नौकरी में स्थिति सामान्य रहेगी, धैर्य बनाकर रखें. बिजनेसः व्यवसायिक गतिविधियां थोड़ी धीमी रहेंगी, लेकिन परिस्थितियों को देखते हुए संयम ही उचित रहेगा.धनः घर की सुख-सुविधाओं से जुड़ा कोई सामान खरीदने का योग बन रहा है.

मिथुन राशिः करियरः नई नौकरी के योग बन रहे हैं. किसी उलझन का समाधान होगा जिससे मन हल्का रहेगा.बिजनेसः आर्थिक गतिविधियों पर ध्यान दें. खर्चों को सीमित रखें और अनावश्यक मामलों में हस्तक्षेप से बचें.धनः किसी दोस्त की आर्थिक मदद करनी पड़ सकती है.

कर्क राशिः करियरः दिनचर्या व्यवस्थित रखने से कार्य समय पर पूरे होंगे. काम पर ध्यान देना भविष्य में फायदेमंद रहेगा.बिजनेसः बिजनेसमैन किसी कंपनी के साथ साझेदारी कर सकते हैं. नई योजनाओं पर काम शुरू होगा.धनः वित्तीय मामलों में सोच-समझकर निर्णय लें.

सिंह राशि : करियरः वरिष्ठों का सहयोग मिलेगा. ऑफिस में प्रेजेंटेशन या नई जिम्मेदारी मिल सकती है.बिजनेसः नया कॉन्ट्रैक्ट मिल सकता है. राजनीतिक संबंध भी लाभ देंगे.धनः रुके हुए पैसे वापस मिल सकते हैं.

कन्या राशिः करियरः ऑफिस में काम का दबाव रहेगा. सहयोगियों से तालमेल बनाए रखें.बिजनेसः व्यावसायिक सफलता से माता-पिता प्रसन्न होंगे. धनः फिजूलखर्ची से बचें. अपनी जरूरतों को प्राथमिकता दें. शिक्षाः प्रोजेक्ट पूरा करने में भाई-बहन या टीचर की मदद लें. लव/पारिवारिकः

तुला राशिः करियरः दिन तरक्की देने वाला रहेगा. कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी. बिजनेसः अटका पैसा वापस मिलने की संभावना है. धनः सुख-सुविधा की वस्तुओं की खरीदारी में खर्च होगा.शिक्षाः बच्चों को आपकी सलाह से लाभ मिलेगा. लव/पारिवारिकः रिश्तों में प्रेम बढ़ेगा. परिवार के साथ समय बिताने से मन प्रसन्न रहेगा.

वृश्चिक राशि : करियरः काम समय पर पूरे होंगे. समाज में आपकी छवि सुधरेगी. बिजनेसः आज व्यवसाय में लाभ की स्थिति बन सकती है.धनः परिवार पर धन खर्च होगा. शिक्षाः शिक्षकों का दिन व्यस्त रहेगा.

धनु राशि : करियरः जीवनसाथी के साथ बाहर जाने का मौका मिलेगा. किसी अनुभवी व्यक्ति का मार्गदर्शन लाभ देगा.बिजनेसः कोई नई योजना शुरू हो सकती है. धनः रुकी हुई आर्थिक समस्या सुलझ सकती है.शिक्षाः विद्यार्थियों को मेहनत का अच्छा परिणाम मिलेगा. लव/पारिवारिकः पारिवारिक रिश्ते मधुर रहेंगे.

मकर राशि : करियरः परिस्थितियां आपके पक्ष में रहेंगी. सकारात्मक सोच से काम सफल होंगे. बिजनेसः प्रॉपर्टी डीलिंग से लाभ मिल सकता है. धनः धन के मामलों में सजग रहें.शिक्षाः विद्यार्थी मन लगाकर पढ़ाई करेंगे.

कुंभ राशि : करियरः अतिरिक्त जिम्मेदारियां पूरी होंगी. समाज में पहचान बढ़ेगी. बिजनेसः फैशन डिजाइनिंग से लाभ हो सकता है. धनः आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी. शिक्षाः विद्यार्थियों का पढ़ाई में मन लगेगा.

मीन राशिः करियरः कार्यक्षेत्र में तालमेल अच्छा रहेगा. मार्केटिंग में सफलता मिलेगी. बिजनेसः बिजनेस को आगे बढ़ाने के लिए विशेषज्ञ की सलाह लें.धनः धन से जुड़ा मामला सुलझ सकता है.शिक्षाः छात्रों के लिए दिन अच्छा रहेगा. लव/पारिवारिकः लवमेट के लिए दिन शानदार रहेगा. जीवनसाथी से भावनात्मक सहयोग मिलेगा.

ज्योतिष सेवा केन्द्र
ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

जरूरी सवालों की अनदेखी करती रिपोर्ट, पूरा दोष पायलटों पर मढ़ने का प्रयास

स्वाभाविक तौर पर इसमें तमाम जटिलताएं आएंगी लेकिन इस काम को पूरा करने की प्रक्रिया में सभी जांच एजेंसियों को कोई कोर-कसर शेष नहीं रखनी चाहिए। यह भी उतना ही महत्वपूर्ण होगा कि इस जांच के दायरे में उन अन्य अनेक कंपनियों और नियामकों को भी जोड़ना चाहिए जो 787 विमानों के परिचालन से जुड़े हैं।

पा अहमदाबाद में दुर्घटनाग्रस्त एअर इंडिया के विमान की आरंभिक जांच रिपोर्ट जवाब से कहीं अधिक सवाल उठाने वाली है। अहमदाबाद से लंदन के लिए जा रही उड़ान संख्या एआइ 171 की दुर्घटना से जुड़ी यह रिपोर्ट पहली नजर में ही पूर्वाग्रह से ग्रस्त दिखती है। इसमें किसी न किसी तरह पूरा दोष उन पायलटों पर मढ़ने का प्रयास है, जो इस हादसे में मारे गए। तथ्यात्मक रूप से रिपोर्ट यही बताती है कि टेक ऑफ यानी उड़ान भरते समय इंजन बंद हो गए थे। ऐसी स्थिति में रैट-रैम एयर टरबाइन स्वाभाविक रूप से सक्रिय हो जाता है। रैट असल में एक आपातकालीन उपकरण है, जो विमान के दोनों इंजनों के बंद होने की स्थिति में आवश्यक ऊर्जा प्रदान करता है। इसमें विमान की गति से चलने वाली हवा के उपयोग से ही ऊर्जा उत्पन्न होती है। रैट फ्यूल स्विच/वाल्व को कट ऑफ करने की स्थिति में सक्रिय नहीं होता। वैसे भी पायलट इतने मूर्ख नहीं होते कि दोनों इंजनों के फेल हो जाने की स्थिति में फ्यूल को कट ऑफ कर दें। फ्यूल कट ऑफ का तर्क तभी गले उतरता है, जब अंतिम उपाय के रूप में अपनी जान बचाने के लिए पायलट इंजनों को दोबारा चालू करने का प्रयास करते हैं। प्रारंभिक जांच रिपोर्ट में चालक दल की आपसी बातचीत को लेकर रहस्य बुनने की मंशा भी बहुत चौंकाने वाली है। यह असंभव सी बात है कि ऐसी आपात स्थिति के दौरान काकपिट में कोई

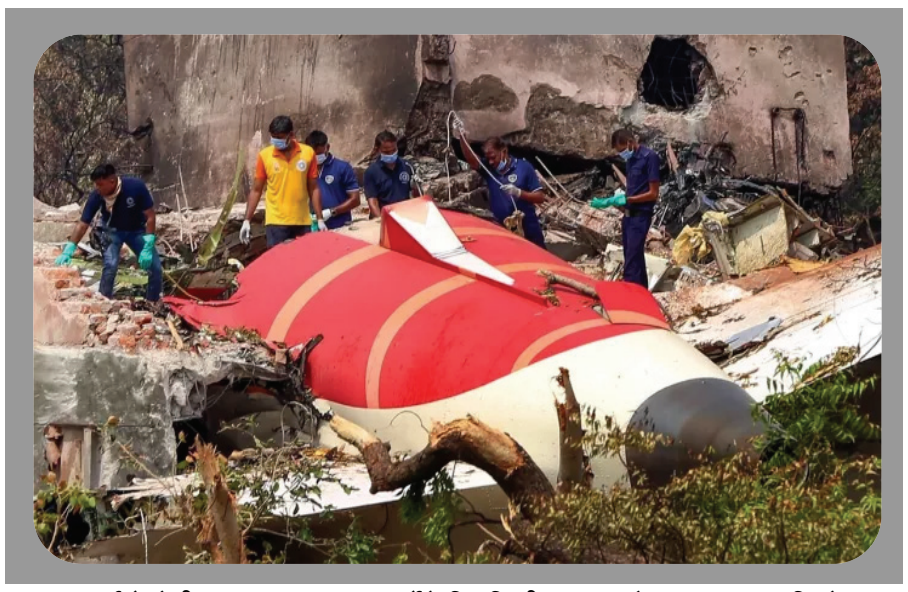

हलचल न हुई हो। ऐसी परिस्थितियों में वहां इतनी शांति कैसे हो सकती है। जाहिर है कि कुछ पहलुओं को जानबूझकर छिपाने का प्रयास किया जा रहा है। जिस तरह रिपोर्ट लिखी गई है उसका भाव यही संकेत करता है कि यह कुछ और नहीं, बल्कि विमान दुर्घटना के लिए पायलटों को दोषी ठहराने का गुप्त प्रयास है। इसके अलावा यह भी समझ से परे है कि जब जांच के किसी ठोस नतीजे पर पहुंचने में अभी और तीन माह से लेकर एक साल तक का समय लग सकता है तो फिर बोइंग एवं इंजन बनाने वाली कंपनी जीई को क्यों संदेह के दायरे से दूर रखा जा रहा है? फिर इस जांच रिपोर्ट को रात करीब दो बजे जारी करने का क्या तुक, जब इस दुर्घटना से सर्वाधिक प्रभावित भारत और ब्रिटेन जैसे देशों में कामकाज करीब-करीब बंद हो जाता है। पायलट, सेफ्टी मैनेजमेंट सिस्टम और उससे जुड़े पेशेवरों के अलावा आडिटर और जांचकर्ताओं के लिए किसी उड़ान के दो सबसे महत्वपूर्ण पड़ाव टेक ऑफ और लैंडिंग होते हैं। इस दौरान पूरा ध्यान विमान को करीब 2000 फीट तक मैनुअली उड़ाने पर होता है, जिसके लिए हाथ से ही सभी उपकरणों को चलाना पड़ता है। उसके बाद ही विमान आटो-पायलट की अवस्था में आ सकता है। थ्रस्ट सेटिंग भी मैनुअल होती है और इस कवायद में पूरा फोकस विमान से जुड़ी अहम नियंत्रक प्रणालियों पर होता है। चूंकि यह रिपोर्ट एक व्यापक परिचालन वाले बोइंग 787 ड्रीमलाइनर विमान से जुड़ी है तो पूरी दुनिया के लिए उसके गहरे निहितार्थ हैं। रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है कि फ्यूल वाल्व-स्विच कट ऑफ यानी निष्क्रिय कर दिए गए थे। इसके दूर-दूर तक कोई आसार नहीं दिखते कि कोई भी पायलट विशेष रूप से टेक ऑफ के दौरान और जब उसे सबसे अधिक थ्रस्ट की जरूरत होगी, तब वह फ्यूल स्विच से कोई छेड़छाड़ करेगा। इस दौरान अमूमन काकपिट के फ्रंट पैनल में लगे लैंडिंग गीयर उठाने या फ्लैप्स उठाने पर जोर रहता है। ऐसे में अगर फ्यूल वाल्व-स्विच को कट ऑफ स्थिति में ले जाने के लिए वापस मोड़ने की वजह बताई जाए तो यह गहन जांच का विषय है।फ्यूल वाल्व/स्विच पर संकेतक होता है कि इसमें विसंगति हो सकती है। अमेरिका के संघीय विमानन प्रशासन-एफएए ने यह माना भी है। एफएए ने 2018 में वायु परिवहन के मोर्चे पर एक चेताने वाले बुलेटिन में कहा था कि कुछ ऐसे मामले में सामने आए हैं, जिनमें फ्यूल स्विच अपने आप ही कट ऑफ स्थिति में चला गया। इनमें जापान और यूरोपीय विमानन सेवाओं से जुड़े मामलों का संदर्भ भी था।मेरे विचार में अगर स्विच में कोई खराबी थी तो यही दुर्घटना का सबसे संभावित कारण हो सकता है। ऐसे में एनटीएसबी, एफएए, ईएएसए के अलावा एएआइबी जैसी एजेंसियों को यह जांचने-परखने की जरूरत है कि फ्यूल स्विच क्यों कट ऑफ अवस्था में चले गए, क्योंकि कोई पायलट ऐसी मूर्खता नहीं करेगा कि उड़ान के जिस पड़ाव पर उसे सबसे अधिक ऊर्जा की जरूरत हो तो वह उसके स्रोत को ही बंद कर दे।उचित होगा कि हम समग्र एवं यापक जांच रिपोर्ट के सामने आने की प्रतीक्षा करें। एआइ 171 उड़ान हादसे से जुड़ी आरंभिक रिपोर्ट पर गौर करें तो यदि फ्यूल कट ऑफ स्विच अपने आप ही हरकत में आ गए तो यह उन तमाम विमानन कंपनियों के लिए सतर्कता बढ़ाने का समय है, जो ड्रीमलाइनर 787 विमानों से परिचालन कर रही हैं।उन्हें फ्यूल स्विच प्रणालियों की सघन समीक्षा और व्यापक जांच-पड़ताल करनी होगी। बोइंग 787 ड्रीमलाइनर व्यापक डिजिटल एवं साफ्टवेयर प्रणाली पर संचालित विमान है, जिसे निरंतर रूप से सिस्टम अपडेट एवं सिक्योरिटी पैच की भी आवश्यकता होती है। अगर फ्यूल स्विच कट ऑफ हो गए तो इसके पीछे के कारण को तलाशना होगा।स्वाभाविक तौर पर इसमें तमाम जटिलताएं आएंगी, लेकिन इस काम को पूरा करने की प्रक्रिया में सभी जांच एजेंसियों को कोई कोर-कसर शेष नहीं रखनी चाहिए। यह भी उतना ही महत्वपूर्ण होगा कि इस जांच के दायरे में उन अन्य अनेक कंपनियों और नियामकों को भी जोड़ना चाहिए, जो 787 विमानों के परिचालन से जुड़े हैं।

ट्रंप के टैरिफ वार पर जग हंसाई- दुनियाँ से दुश्मनी की नौबत आई ?- नोबेल शांति पुरस्कार पाने की चांस घटाई?

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

वैश्विक स्तरपर पूरी दुनियाँ जानती है कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा अमेरिकी फर्स्ट, टैरिफ, मेक अमेरिका ग्रेट अगेन,गैरकानूनी अप्रवासियों का मुद्दा सहित अनेको वादे किए थे जिन्हें पूरा करने के लिए वह हद से अधिक स्पीड से भिड़ गए हैं, परंतु में जल्दबाजी से कोई भी काम करना हानिकारक हो सकता है, इसपर भारत में कई कहावतें हैं, जैसे जल्दबाजी का काम शैतानी कम, धैर्य रखो सहित अनेकों कहावतें हैं। आज हम इस विषय पर चर्चा इसलिए कर रहे हैं क्योंकि ट्रंप जब से चुनकर आए हैं, अपने चुनावी वादे बहुत जल्दबाजी से लागू करने उमड़ पड़े हैं, जबकि मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र मानता हूं के किसी भी काम, वादों, उम्मीदों को पूरा करने धैर्य से व संकल्प के साथ रणनीतिक रूप से काम करने कीजरूरत है, ताकि उसके दूरगामी सकारात्मक परिणाम देखने को मिले। मेरे विचार में शायद ट्रंप साहब इस जल्दबाजी में ही काम कर रहे हैं, जिसका सटीक उदाहरण यह है कि जिस तरह वह निर्णय लेकर फिर उन्हें खारिज करना,या उन्हेंएक्सटेंशन देना एक बारगेनिंग नीति की और बढ़ रहे हैं, अफ्रीकी पांच देशों के के साथ सम्मेलन में व्यवहार, अनेक आर्थिक मजबूत देशों से व्यवहार सहित अनेक मुद्दों पर दबावतंत्र व दादागिरी का आभास हो रहा है,कि पूरी दुनियाँ से एक तरह से दुश्मनी की ओर पग बढ़ा रहे हैं। क्योंकि वह अपने घरेलू यूरोपीय यूनियन पर भी टैरिफ लगाकर, चीन पर 145 पर्सेंट टैक्स लगाकर फिर पीछे हटना, सभी को टैरिफ का अल्टीमेटम देकर दबाव बनाना उचित नहीं है, इस बात का संयुक्त वक्तव्य ब्रिक्स सम्मेलन में भी दिया गया था। चूँकि ट्रंप जब से राष्ट्रपति बने हैं अपनी नीतियों, बयानों से सुर्खियों में रहे हैं, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, ट्रंप के टैरिफ वार पर जग हंसाई- दुनियाँ से दुश्मनी की नौबत आई ?-नोबेल शांति पुरस्कार पाने की चांस घटाई ?साथियों बात अगर हम 12 जुलाई 2025 को मेक्सिको व यूरोपीय यूनियन पर 30 पेर्सेंट टैरिफ 1 अगस्त 2025 से लागू करने की घोषणा करने की करें तो,उन्होंने इस संबंध में मैक्सिको और यूरोपीय संघ को लिखे पत्रों को अपने सोशल मीडिया हैंडल से शेयर करके जानकारी दी।ट्रंप के इस कदम से ट्रेड वॉर के और तीव्र होने की संभावना बढ़ गई है, खासकर ऐसे समय में जब यूरोपीय संघ अपने सहयोगी अमेरिका के साथ एक व्यापक व्यापार समझौते पर काम कर रहा है। 27 सदस्यीय यूरोपीय संघ को अब अमेरिकी बाजारों में भारी बाधाओं का सामना करना पड़ रहा है, ट्रंप की यह घोषणा इस सप्ताह की शुरूआत में जापान, साउथ कोरिया, कनाडा और ब्राजील से आने वाले सामानों पर टैरिफ में की गई बढ़ोतरी के बाद आई है।उन्होंने इन देशों से तांबे के आयात पर 50 प्रतिशत का भारी टैरिफ लगाया है।यूरोपियन यूनियन कमीशन की प्रेसिडेंट ने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के फैसले पर कहा, 'यूरोपीय संघ के निर्यात पर 30 परसेंट टैरिफ अटलांटिक के दोनों ओर के व्यवसायों,उपभोक्ताओं और मरीजों को नुकसान पहुंचाएगा।हम 1 अगस्त तक समझौते की दिशा में काम करना जारी रखेंगे,साथ ही, हम 30 पेर्सेंट टैरिफ के इस फैसले पर उचित प्रक्रियात्मक कदम उठाने और यूरोपीय संघ के हितों की रक्षा के लिए तैयार हैं।इस चिट्ठी में कहा गया है कि मजबूत संबंधों के बावजूद, अमेरिका ने मैक्सिको के 'फेंटेनल संकट' से निपटने के लिए उस पर टैरिफ लगाया है, इसके बारे में कहा गया कि यह आंशिक तौर पर मैक्सिको की तरफ से कार्टेल्स को रोकने में असफलता के कारण है,ट्रंप के अनुसार, मेक्सिको मुझे बॉर्डर सुरक्षित करने में मदद कर रहा है,लेकिन इस देश ने जो किया है वह काफी नहीं है,मेक्सिको ने अभी तक उन कार्टेल्स को नहीं रोका है जो पूरे उत्तरी अमेरिका को नार्को-तस्करी के मैदान में बदलने की कोशिश कर रहे हैं. जाहिर है, मैं ऐसा नहीं होने दूंगा।अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने मैक्सिको और यूरोपियन यूनियन (ईयू) पर 30 फीसदी तक टैरिफ लगाने का ऐलान कर दिया है, इन देशों पर टैरिफ एक अगस्त से लागू हो जाएगा, इससे पहले ट्रंप ने अमेरिका के सात छोटे व्यापारिक साझेदारों को टैरिफ की चिट्ठी भेजी है जिसमें फिलीपींस, ब्रुनेई, मोल्दोवा, अल्जीरिया, लीबिया, इराक और श्रीलंका जैसे देश शामिल हैं।साथियों बात अगर हम ब्राजील में दो दिवसीय ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के संयुक्त वक्तव्य पर ट्रंप के नाराजगी वाले बयान की करें तो,एक संयुक्त वक्तव्य में पीएमसहित ब्रिक्स नेताओं ने कहा कि हम एकतरफा टैरिफ और गैर-टैरिफ उपायों के बढ़ने पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हैं, जो व्यापार को विकृत करते हैं और डब्ल्यूटीओ के नियमों के अनुरूप नहीं हैं। बयान में ह्वैश्विक व्यापार में टैरिफ के बढ़ते उपयोगह्व का भी उल्लेख किया गया। हालांकि इस दौरान नाम नहीं लिया गया, लेकिन सभी जानते हैं कि बात अमेरिका की हो रही है।इसके अलावा ब्रिक्स के साझा बयान में चेतावनी दी गई कि टैरिफ के निरंतर ह्यअंधाधुंधह्ल उपयोग से वैश्विक व्यापार कम हो सकता है। इसके अलावा वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला बाधित हो सकती है, तथा अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक और व्यापारिक गतिविधियों में अनिश्चितता पैदा हो सकती है, जिससे मौजूदा आर्थिक असमानताएं और बढ़ सकती हैं। तेहरान अब इस संगठन का पूर्ण सदस्य है और यह अपरिहार्य था कि संयुक्त वक्तव्य में इजरायल के साथ सैन्य संघर्ष और अमेरिका द्वारा उसके परमाणु प्रतिष्ठानों पर बमबारी का उल्लेख किया गया। अब सवाल ये हैं कि आखिर क्यों ट्रंप ब्रिक्स को निशाना क्यों बना रहा है।इसको लेकर पश्चिम के अर्थशास्त्री और नीति विश्लेषक चाहे जो भी कहें, ऐसा प्रतीत होता है कि यह गुट अपने समर्थक जुटा रहा है और अमेरिका तथा अन्य पारंपरिक शक्तियों के लिए चुनौती के रूप में उभर रहा है। उदाहरण के लिए अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के लिए पसंदीदा मुद्रा के रूप में डॉलर को हटाने की बात करने को बल1 दे रहा है।

समाज सुधार की राह पर विज्ञापन

लेखकः हर्ष मेहता

आज का युग सूचना का युग है हर तरफ सूचनाओं की बाढ़ है टीवी, मोबाइल, सोशल मीडिया और होर्डिंग्स जैसे माध्यमों से हमें निरंतर कोई न कोई संदेश मिल रहा है। इन संदेशों में सबसे प्रभावी और भावनात्मक पहलू होता है सामाजिक सरोकार पर आधारित विज्ञापन। ये ऐसे विज्ञापन होते हैं जो समाज में जागरूकता फैलाने, व्यवहार में बदलाव लाने और एक बेहतर कल की ओर प्रेरित करने का काम करते हैं।चाहे स्वच्छता अभियान हो, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, पर्यावरण संरक्षण, जल बचाओ या सड़क सुरक्षा ऐसे सभी सामाजिक विषयों पर आधारित विज्ञापन न केवल सरकारी योजनाओं का प्रचार करते हैं, बल्कि आम जनता को मानसिक रूप से झकझोरते हैं विज्ञापनः केवल उत्पाद नहीं, विचार भी बेचते हैं

जब हम ₹विज्ञापन₹ शब्द सुनते हैं, तो सबसे पहले हमारे दिमाग में कोई साबुन, तेल या मोबाइल की तस्वीर आती है। लेकिन एक जागरूक समाज के निर्माण में विज्ञापनों की भूमिका केवल उत्पाद बेचने तक सीमित नहीं होती, बल्कि वे विचार भी बेचते हैं जरूरी विचार, जिनसे समाज बदलता है सोचिए, अगर एक साधारण सा पोस्टर जिसमें एक बच्ची किताब लिए मुस्कुरा रही हो और नीचे लिखा हो ₹बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ₹ यह चित्र और संदेश मिलकर दिल को छू जाता है। यह सिर्फ एक सरकारी योजना का प्रचार नहीं है, यह समाज के एक पुराने सोच को तोड़ने की कोशिश है।दृश्य भाषा की ताकत

हमारी आंखें शब्दों से पहले चित्र पहचानती हैं। इसलिए दृश्य भाषा – यानि विजुअल इमेजेज – का प्रभाव कहीं अधिक गहरा होता है। एक मजबूत सामाजिक विज्ञापन में चित्र, रंग, फॉन्ट, भाव-भंगिमा, साउंड और शब्द सभी मिलकर एक ऐसा अनुभव रचते हैं जो सीधा दिल और दिमाग पर असर करता है स्थानीय भाषा और प्रतीकों का उपयोग सामाजिक संदेशों को जमीन तक पहुंचाने के लिए स्थानीय संदर्भ का ध्यान रखना बेहद जरूरी है। उदाहरण के तौर पर, यदि किसी गांव में पानी की समस्या है, तो वहां ₹हर बूंद कीमती है₹ जैसे संदेश के साथ ग्रामीण परिवेश के चित्र ज्यादा प्रभावशाली होंगे।

भावनाओं से जुड़ाव बनाना जरूरी है

किसी भी प्रभावी सामाजिक विज्ञापन का मूल तत्व होता है इमोशनल कनेक्शन। जब कोई मां अपने बच्चे को कुपोषण से बचाने की गुहार लगाती है या जब एक बच्चा प्लास्टिक से भरे नाले की सफाई करता दिखता है तब दर्शक केवल देख नहीं रहा होता, वह महसूस करता है। और यही एहसास उसे सोचने, बदलने और प्रतिक्रिया देने पर मजबूर करता है प्रेरणा और भागीदारी की भावना अच्छे सामाजिक विज्ञापन केवल समस्या नहीं दिखाते, वे समाधान की ओर भी इशारा करते हैं छोटे शहरों और गांवों में प्रभाव बड़े शहरों में तो लोग पहले से ही जागरूक हैं, लेकिन छोटे कस्बों और गांवों में सामाजिक विज्ञापनों की जरूरत और भी ज्यादा है शिक्षा और सहभागिता का माध्यम सामाजिक विज्ञापन न केवल सूचना देते हैं, बल्कि शिक्षा भी देते हैं आज के डिजिटल और विजुअल युग में सामाजिक सरोकार पर आधारित विज्ञापन न केवल जरूरी हैं, बल्कि अत्यंत प्रभावशाली भी हैं आइए, इस बदलाव का हिस्सा बनें एक अच्छा दृश्य, एक सही संदेश और एक ईमानदार कोशिश यही है भविष्य का रास्ता।

बार एसोसिएशन चुनाव में 200 उम्मीदवार मैदान में

हाईकोर्ट परिसर में पंफलेट व हैंडबिल बांटने पर रोक, अध्यक्ष पद पर 11, महासचिव पद पर 8 प्रत्याशी

भारत संवाद

प्रयागराज, इलाहाबाद हाईकोर्ट बार एसोसिएशन चुराव की तैयारियां जोरों पर हैं। 23 जुलाई को वोटिंग होगी। करीब 10 हजार वकील मतदान करेंगे। हाईकोर्ट के निगरानी में पुख्ता सुरक्षा इंतजामों के बीच मतदान और मतगणना की तैयारी है। इस बार कुल 200 उम्मीदवार अपनी किस्मत आजमाएंगे। चुनाव प्रचार को लेकर भी इस बार काफी सख्ती है। हाईकोर्ट के अंदर और परिसर में पंफलेट व हैंडबिल बांटे जाने पर रोक है। हाईकोर्ट बार एसोसिएशन चुनाव समिति ने विभिन्न पदों के लिए उम्मीदवारों की अंतिम सूची जारी कर दी है। अध्यक्ष पद के लिए 11 दावेदार मैदान में हैं। इनमें अमित कुमार, अशोक कुमार सिंह, अविनाश चंद्रा, चंद्र प्रकाश उपाध्याय, देवी प्रसाद सिंह, लालधारी राजभर, प्रभा शंकर मिश्रा, राकेश पांडेय बबुआ, संतोष कुमार त्रिपाठी, सुरेश चंद्र पांडेय और वीर सिंह शामिल हैं। महासचिव पद पर 8 उम्मीदवार आमने-सामने होंगे। चुनाव अधिकारी वशिष्ठ तिवारी ने बताया कि अखिलेश कुमार शर्मा, धर्मेंद्र प्रताप सिंह, हरिंद्र प्रसाद, जमील अहमद आजमी, राय साहब यादव, संतोष कुमार मिश्रा, शशि प्रकाश सिंह और उदय शंकर तिवारी ने नामांकन दाखिल किया है। वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर भी मुकाबला कड़ा रहेगा। चुनाव अधिकारी अनिल भूषण ने बताया कि इसके लिए 9 प्रत्याशी मैदान में हैं।

शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के बैनर पर कालिख पोती

स्कूल मर्जर के खिलाफ किया प्रदर्शन, प्रयागराज में सपा के 3 नेता गिरफ्तार

भारत संवाद

प्रयागराज, स्कूलों को मर्ज करने के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर हंगामा करने और शिक्षा मंत्री के पोस्टर, बैनर पर कालिख पोतने के मामले को पुलिस ने गंभीरता से लिया है। पुलिस ने धर्मेंद्र प्रधान के बैनर पर कालिख पोतने के तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। तीन टीमों ने छापेमारी कर समाजवादी पार्टी के तीन आरोपियों को पकड़ा। सभी को सिविल लाइंस थाने में रखा गया। सपा नेताओं की गिरफ्तारी की सूचना पाकर समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता थाने पहुंच गए। थाने का घेराव कर विरोध जताया गया। हालांकि पुलिस तीनों को वहां से पेशी के लिए ले जा चुकी थी। समाजवादी पार्टी की महानगर ईकाई की बैठक महानगर अध्यक्ष सैय्यद इफ्तेखार हुसैन की अध्यक्षता व महासचिव रवीन्द्र यादव रवि के संचालन में हुई। इसमें समाजवादी पार्टी छात्र सभा से जुड़े नेताओं को पकड़े जाने का विरोध किया गया। सपा नेताओं ने कहा कि सुभाष चौराहे सिविल लाइंस पर धर्मेन्द्र प्रधान के पोस्टर जिसमें शिक्षा बनाम मधुशाला के बैनर को लेकर पुलिस से झड़प हुई थी। पुलिस ने छात्र सभा के ज़िलाध्यक्ष गंगापार शिवा केसरवानी, छात्र सभा के ज़िला उपाध्यक्ष शिवा बागी सद्दाम अंसारी, आयुष प्रियदर्शी, अंशु यादव के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया। पुलिस सपा नेताओं को घर से उठा लाई। जानकारी होने पर सपा के महानगर ईकाई ने बैठक में रोष प्रकट किया। शिवा केसरवानी, सद्दाम अंसारी व आयुष प्रियदर्शी पुलिस ने जेल भेज दिया। इस पर सपा नेताओं ने गहरी नाराजगी जताई। सैय्यद इफ्तेखार हुसैन, रवीन्द्र यादव रवि, शशिभूषण पाण्डेय, महबूब उस्मानी, संदीप यादव, महेंद्र निषाद, प्रभात कुमार, मोईन हबीबी, ओपी यादव, चौधरी देवीलाल, भोला पाल, संतोष निषाद, मशहद अली खान, वीरु पासी, प्रमोद यादव, सैय्यद मोहम्मद हामिद, सऊद अहमद, मोहम्मद हसीब, सैय्यद आसिफ हुसैन, ताहिर उमर, अंकित कुमार पटेल आदि मौजूद रहे। प्रयागराज के सुभाष चौराहे पर शनिवार को समाजवादी छात्र सभा ने प्रदर्शन किया। उन्होंने स्कूलों के मर्जर के खिलाफ नारेबाजी की। शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के पोस्टर पर कालिख पोती। कहा कि प्रदेश के पांच हजार स्कूल बंद करने का निर्णय सही नहीं है। सरकार अगर नहीं मानी तो आगे भी प्रदर्शन जारी रखेंगे। इस दौरान सिविल लाइन्स पुलिस मौके पर मौजूद रही। उसने भीड़ को शांत कराने का प्रयास किया। हंगामा बढ़ता देख छात्र नेताओं को हिरासत में लेकर पोस्टर कब्जे में ले लिया। सपाइयों ने शिक्षा मंत्री के पोस्टर पर कालिख पोतकर उनके खिलाफ नारे लगाए।

फास्ट ट्रैक

थाना विन्ध्याचल पुलिस द्वारा 53 ग्राम अवैध हेरोईन के साथ एक अभियुक्त गिरफ्तार

भारत संवाद

सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों के विरूद्ध कार्यवाही तथा अवैध मादक पदार्थों की तस्करी व बिक्री पर अंकुश लगाते हुए तस्करी में संलिप्त अभियुक्तों की गिरफ्तारी एवं प्रभावी कार्यवाही करने हेतु जनपद के समस्त प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्षगण को निर्देश दिये गये हैं । उक्त निर्देश के अनुक्रम में आज दिनांकः 14.07.2025 को थाना विन्ध्याचल पुलिस टीम को बड़ी सफलता हाथ लगी । अपर पुलिस अधीक्षक नगर व क्षेत्राधिकारी नगर के नेतृत्व में थानाध्यक्ष बैद्यनाथ सिंह मय पुलिस टीम द्वारा प्राप्त मुखबिर की सूचना के आधार पर थाना विन्ध्याचल क्षेत्रांतर्गत बड़ा बगीचा के पास से 01 नफर अभियुक्त सुशील कुमार जायसवाल पुत्र स्व0 रोशन जायसवाल उर्फ जुआड़ी निवासी फतेहपुर गली त्रिमुहानी थाना विन्ध्याचल जनपद मीरजापुर को गिरफ्तार किया गया । गिरफ्तार अभियुक्त के कब्जे से 53 ग्राम अवैध हेरोईन बरामद किया गया ।

थाना मड़िहान पुलिस द्वारा 01 नफर वारण्टी गिरफ्तार

भारत संवाद

सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना मड़िहान पुलिस द्वारा 01 नफर वारण्टी को गिरफ्तार किया गया। आज दिनांकः14.07.2025 को उप-निरीक्षक भारत सुमन मय पुलिस टीम द्वारा 01 नफर वारण्टी तुलसी पुत्र वीरे निवासी रामपुर थाना मड़िहान जनपद मीरजापुर को उनके घर से गिरफ्तार कर मा0न्यायालय में प्रस्तुत किया गया।

थाना लालगंज पुलिस द्वारा गैर इरादतन हत्या के अभियोग से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

भारत संवाद

थाना लालगंज, जनपद मीरजापुर पर दिनांकः 21.06.2025 को वादी तुलसीदार पुत्र मुन्नी लाल निवासी बामी थाना लालगंज जनपद मीरजापुर द्वारा नामजद अभियुक्तों के विरूद्ध वादी के भाई के साथ मारपीट कर गंभीर रूप से घायल किया गया तथा इलाज के दौरान मृत्यु होने के सम्बन्ध में लिखित तहरीर दी गयी । उक्त के सम्बन्ध में प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना लालगंज मु0अ0सं0-239/2025 धारा 352,351(3),105 बीएनएस कर विवेचना प्रारम्भ की गई । सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा उक्त घटना को गंभीरता से लेते हुए क्षेत्राधिकारी लालगंज के नेतृत्व में थानाध्यक्ष लालगंज को अभियुक्तों की गिरफ्तारी करने के निर्देश दिए गए हैं ।

थाना लालगंज पुलिस द्वारा उ.प्र.गैंगस्टर एक्ट के अभियोग से सम्बन्धित 01 नफर अभियुक्त गिरफ्तार

भारत संवाद

सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में जनपद के समस्त प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्षगण को अभियुक्तों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए हैं । उक्त निर्देश के अनुक्रम में थाना लालगंज पर पंजीकृत मु0अ0सं0-275/2025 धारा 3(1) उ.प्र. गिरोहबन्द समाज विरोधी क्रियाकलाप निवारण एक्ट के अभियोग में बड़ी कार्यवाही करते हुए दिनांकः 14.07.2025 को थानाध्यक्ष संजय कुमार सिंह मय पुलिस टीम द्वारा मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर थाना लालगंज क्षेत्र से उक्त अभियोग से सम्बन्धित अभियुक्त दिवाकर प्रसाद पुत्र बंशराज निवासी जोगीबारी बड़ा गांव थाना औराई जनपद भदोही को गिरफ्तार कर नियमानुसार विधिक कार्यवाही करते हुए मा0न्यायालय/जेल भेजा गया ।

दशाश्वमेध घाट पर चार्जिंग रूम, डस्टबीन, मोबाइल टॉयलेट, मार्ग प्रकाश तथा तीनों पालियो में नियमित साफ सफाई के निर्देश

भारत संवाद

प्रयागराज नगर अयुक्त प्रयागराज श्री साई तेजा द्वारा दिनांक 14-07-2025 को श्रावण मास के दृष्टिगत दशाश्वमेध घाट व अन्य घाटों से कांवरियों द्वारा स्नान व जल भरने के दौरान उन्हे किसी प्रकार की समस्या न हो के दृष्टिगत निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान राजीव शुक्ला अपर नगर आयुक्त, विकास सेन संयुक्त नगर आयुक्त/जोनल-4, मुख्य अभियन्ता श्री संजय कटियार, रंजन श्रीवास्तव सफाई निरीक्षक उपस्थित थे। निरीक्षण के दौरान उपस्थित क्षेत्रीय पार्षद द्वारा अवगत कराया गया कि कावंर यात्रा के दौरान दशाश्वमेध घाट के आस पास का क्षेत्र अतिक्रमण से परिपूर्ण रहता है जिस कारण आने वाले श्रद्वालुओं को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है साथ उक्त स्थान पर अस्थाई शौचालय, पेयजल की व्यवस्था, सफाई की व्यवस्था तथा सम्पूर्ण क्षेत्र जहॉ जहॉ से कावरिये आते जाते है।नगर अयुक्त द्वारा घाट के आस पास के सम्पूर्ण क्षेत्र में तीनों समय सफाई व्यवस्था व तत्काल अतिक्रमण हटाये जाने की व्यवस्था, मार्गो पर समुचित सफाई, मलवा/कूड़ा निस्तारण, कीट नाशक का छिड़काव, लीकेज, सीवर के टूटे ढक्कनों को बदलने का कार्य, पैच वर्क, चोक सीवर/नालियों की सफाई तथा समुचित मार्ग प्रकाश की व्यवस्था आवारा पशुओं के पकड़ने का कार्य, अस्थाई टायलेट, चेंजिग रूम, शुद्व पेयजल हेतु टैंकर की व्यवस्था, बैराकेटिंग की व्यवस्था सुनिश्चित कराएं जाने के निर्देश दिए गए , इस कार्य में किसी प्रकार की शिथिलता न बरती जाय के साथ ससमय कार्य कराए जाने के निर्देश दिए गए नगर अयुक्त द्वारा श्रद्वालुओं के लिए जगह जगह पेयजल तथा डस्टबीन की व्यवस्था सुनिश्चित कराये जाने के निर्देश का पालन शतप्रतिशत सुनिश्चित कराया जाए, जिससे किसी प्रकार की असुविधा न होने पाए।

प्रयागराज मण्डल में चला मजिस्ट्रेट चेकिंग अभियान, 4 लाख रुपये से अधिक वसूला गया जुर्माना

- 683 यात्रियों को किया गया प्रभारित
- 6 अवैध वेंडरों को भेजा गया जेल

भारत संवाद

प्रयागराज, रेल यात्रियों को सुरक्षित, सुविधाजनक एवं नियमबद्ध यात्रा अनुभव प्रदान करने के लिए प्रयागराज मण्डल द्वारा जून माह में ट्रेनों एवं स्टेशनों पर विशेष सघन टिकट चेकिंग अभियान चलाया गया। यह अभियान वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री हिमांशु शुक्ला के निदेर्शानुसार संचालित किया गया। इसका उद्देश्य बिना टिकट एवं अनियमित टिकट यात्रा पर प्रभावी नियंत्रण रखते हुए यात्रियों को नियमबद्ध और वैध टिकट के साथ यात्रा के प्रति जागरूक करना था। प्रयागराज मण्डल में दिनांक 06.07.2025 को प्रयागराज जंक्शन पर, 11.07.2025 को मिजार्पुर में एवं 13.07.2025 को प्रयागराज छिवकी में बिना टीकट, अनियमित टिकट, बिना बुक किए गए समान, गंदगी फैलाने वालों एवं अवैध वेंडरों के विरुद्ध अभियान चलाया गया। इस अभियान में 24 अवैध वेंडरों को पकड़ अग्रिम कार्यवाई हेतु रेलवे सुरक्षा बल के सुपुर्द किया गया, मजिस्ट्रेट कार्यवाई के उपरांत इनमें से 6 अवैध वेंडरों को जेल भेज दिया गया। प्रयागराज जंक्शन पर चलाये गए मजिस्ट्रेट चेकिंग अभियान में वाणिज्य विभाग के 13 टिकट चेकिंग स्टाफ ने रेलवे सुरक्षा बल व राजकीय रेलवे पुलिस के 15 कर्मचारियों के सहयोग से अभियान चलाया। इस अभियान में 15 गाड़ियों को चेक कर 340 यात्रियों से 2,30,620/- रुपये वसूले गए। इसमें 142 यात्रियों से बिना टिकट यात्रा के लिए 1,38,180/- रुपये जुमार्ना वसूला गया, 196 यात्रियों से अनियमित टिकट पर यात्रा के लिए 91,840/- रुपये जुमार्ना वसूला गया एवं 2 यात्रियों से गंदगी फैलाने के लिए के लिए 600/- रुपये जुमार्ना वसूला गया। इस अभियान में 6 अवैध वेंडरों को पकड़कर हेतु रेलवे सुरक्षा बल के सुपुर्द किया गया। मिजार्पुर स्टेशन पर चलाये गए मजिस्ट्रेट चेकिंग अभियान में वाणिज्य विभाग के 7 टिकट चेकिंग स्टाफ ने रेलवे सुरक्षा बल व राजकीय रेलवे पुलिस के 7 कर्मचारियों के सहयोग से अभियान चलाया। इस अभियान में 6 गाड़ियों को चेक किया गया। इस अभियान में 16 अवैध वेंडरों को पकड़कर हेतु रेलवे सुरक्षा बल के सुपुर्द किया गया। इसी क्रम में प्रयागराज छिवकी पर चलाये गए मजिस्ट्रेट चेकिंग अभियान में वाणिज्य विभाग के 15 टिकट चेकिंग स्टाफ ने रेलवे सुरक्षा बल व राजकीय रेलवे पुलिस के 12 कर्मचारियों के सहयोग से अभियान चलाया। इस अभियान में 20 गाड़ियों को चेक कर 343 यात्रियों से 2,07,950/- रुपये जुमार्ने के रूप में वसूले गए। इसमें 117 यात्रियों से बिना टिकट यात्रा के लिए 1,05,700/- रुपये जुमार्ना वसूल किया गया, 221 यात्रियों से अनियमित टिकट पर यात्रा के लिए 1,01,250/- रुपये जुमार्ना वसूला गया एवं 5 यात्रियों से गंदगी फैलाने के लिए के लिए 1000/- रुपये जुमार्ना वसूला गया। इस अभियान में 2 अवैध वेंडरों को पकड़कर हेतु रेलवे सुरक्षा बल के सुपुर्द कर दिया गया। भारतीय रेल अधिनियम के अंतर्गत बिना टिकट या अनियमित टिकट पर यात्रा करना दंडनीय अपराध है, जिसमें जुमार्ना, कारावास या दोनों का प्रावधान है। प्रयागराज मण्डल, उत्तर मध्य रेलवे अपने सभी सम्मानित यात्रियों से अपील करता है कि वे उचित और वैध टिकट लेकर ही यात्रा करें और रेलवे को सुरक्षित एवं अनुशासित बनाए रखने में अपना सहयोग प्रदान करें।

दिव्यांगता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्ति/संस्था राज्य स्तरीय पुरस्कार हेतु आवेदन पत्र 25 जुलाई तक करें जमा

भारत संवाद

03 दिसम्बर, 2025 को विश्व दिव्यांग दिवस के अवसर पर दिव्यांगता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों/संस्थाओं को राज्य स्तरीय पुरस्कार प्रदान करने हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित किये गये हैं। निर्धारित श्रेणी अंतर्गत दक्ष दिव्यांग कर्मचारी/स्वनियोजित दिव्यांगजन, दिव्यांगजन हेतु सर्वश्रेष्ठ नियोक्ता तथा सर्वश्रेष्ठ प्लेसमेंट अधिकारी या एजेंसी के लिए सेवायोजकों को, दिव्यांगजन के निमित्त कार्यरत सर्वश्रेष्ठ व्यक्ति तथा सर्वश्रेष्ठ संस्था, प्रेरणास्रोत हेतु, दिव्यांगजन के जीवन सुधारने के निमित्त सर्वश्रेष्ठ नवीन अनुसंधान या उत्पाद विकास, दिव्यांगजन हेतु बाधामुक्त वातावरण के सृजन हेतु सर्वश्रेष्ठ कार्य, दिव्यांगजन को पुनर्वास सेवाएं प्रदान करने वाले सर्वश्रेष्ठ जिला, सर्वश्रेष्ठ सृजनशील दिव्यांग वयस्क व्यक्तियों एवं सर्वश्रेष्ठ बालक/बालिका, सर्वश्रेष्ठ ब्रेलप्रेस, दिव्यांगजन के लिए सर्वोत्तम अनुकूल वेबसाइट, सर्वश्रेष्ठ दिव्यांग खिलाडियों एवं दिव्यांगजन के सशक्तीकरण हेतु कार्यरत अधिकारी/कर्मचारी राज्य स्तरीय पुरस्कार के लिए आवेदन कर सकते है। राज्य स्तरीय पुरस्कार नियमावली-2017 के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी एवं आवदेन पत्र का प्रारूप विभागीय वेबसाइट http://uphwd.gov.in से डाउनलोड कर प्राप्त की जा सकती है। इच्छुक व्यक्तियों/संस्थाओं को अवगत कराना है कि उक्त श्रेणी अंतर्गत निर्धारित आवेदन पत्र पूर्ण कर दो प्रतियों में दिनांक 25 जुलाई, 2025 तक विकास भवन, प्रयागराज में कक्ष संख्या-13 स्थित अधोहस्ताक्षरी कार्यालय में उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। यह जानकारी जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी श्री अशोक कुमार गौतम ने दी है।

केन्द्रीय राज्यमंत्री/मा0 सांसद की अध्यक्षता में आहूत की गई जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिमित (दिशा) की बैठक

भारत सरकार एवं प्रदेश सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं के कार्य प्रगति की समीक्षा कर दिया गया आवश्यक दिशा निर्देश

भारत संवाद

- चिकित्सा, प्रधानमंत्री आवास, बिजली, कृषि, किसान सम्मान निधि, सड़क सहित कुल 42 विभागों की बिन्दुवार योजनाओं की की गई समीक्षा
- इलेक्ट्रानिक नेशनल एग्रीकल्चर मार्केटिंग (ई-एनएएम) योजना से किसानों को अधिक से अधिक जोड़ते हुए लाए प्रगति -अनुप्रिया पटेल

मीरजापुर - मा0 केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, रसायन एवं उर्वरक राज्यमंत्री/मा0 सांसद श्रीमती अनुप्रिया पटेल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला विकास समन्वय और निगरानी समिति (दिशा) की बैठक आयोजित की गई। बैठक में मा0 केन्द्रीय मंत्री के द्वारा केन्द्र सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं कार्यान्वयन पर बिन्दुवार प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक में उपाध्यक्ष राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग सोहन लाल श्रीमाली, मा0 सदस्य विधान परिषद श्याम नरायन सिंह उर्फ विनीत सिंह, मा0 विधायक छानबे श्रीमती रिंकी कोल, मा0 जिला अध्यक्ष अपना दल एस इंजीनियर राम लौटन बिन्द, अध्यक्ष नगर पालिका परिषद मीरजापुर श्याम सुन्दर केसरी, समस्त विकास खण्डों के ब्लाक प्रमुख, प्रतिनिधि मा0 सदस्य विधान परिषद, हरिशंकर सिंह समाज सेवी व अन्य मा0 जनप्रतिनिधिगण के प्रतिनिधि उपस्थित रहें। इस अवसर पर जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन व मुख्य विकास अधिकारी विशाल कुमार द्वारा मा0 केन्द्रीय मंत्री व मा0 विधायकगण व अन्य जनप्रतिनिधियों को स्मृति चिन्ह प्रदान कर स्वागत व अभिनन्दन किया गया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक सोमेन बर्मा भी उपस्थित रहें। तत्पश्चात मा0 केन्द्रीय मंत्री/ मा0 सांसद से जिलाधिकारी द्वारा बैठक की कार्यवाही प्रारम्भ करते हुए बिन्दुवार प्रगति के बारे में जानकारी दी गई। बैठक में मनरेगा, एन0आर0एल0एम0 व जिला प्रोबेशन अधिकारी, कृषि विभाग, उद्यान विभाग द्वारा वित्तीय वर्ष में किए गए अब तक कार्यो/उपलब्धियों के बारे में वीडियों स्लाइड दिखाकर जानकारी दी गई। तत्पश्चात महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण गारंटी योजना की समीक्षा के तहत बताया गया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 के अन्तर्गत वार्षिक अनुमोदित श्रम बजट के अनुसार मासांत तक लक्ष्य मावन दिवस 10.469 के सापेक्ष मासांत तक सृजित मानव दिवस 9.398 कर लिया गया है जो मासांत तक मावन दिवस सृजित करने के लक्ष्य के सापेक्ष 89.77 प्रतिशत की प्रगति हैं। इसी प्रकार राष्ट्रीय ग्रामीण आजिविका मिशन के तहत मुख्य विकास अधिकारी द्वारा बताया गया कि जनपद के राजस्व ग्राम में अद्यतन गठित एन0आर0एल0एम0 समूहों की संख्या 15545 हैं तथा अवशेष पात्र परिवारों की संख्या 36144 है जिनकी महिलाओं को वर्तमान वित्तीय वर्ष में समूह गठन से आच्छादित किए जाने के सापेक्ष वर्तमान माह तक 753 महिला समूहों का लक्ष्य गठन के सापेक्ष 147 का गठन किया गया हैं, जिसमें 1764 आच्छादित परिवार है। बैठक में यह भी बताया गया कि टेक होम राशन योजनान्तर्गत जनपद में कुल 04 पुष्टाहार उत्पादन ईकाई स्थापित करते हुए स्वंय सहायता समूहो की महिलाओं द्वारा पुष्टाहार का उत्पादन किया जा रहा हैं तथा अंजली स्वयं सहायता समूह छानबे की महिलाओं के द्वारा एल0ई0डी0 बल्ब का निर्माण/विक्रय करते हुए अपनी आय को बढ़ा रही हैं गरीब स्वयं सहायता समूह सिटी की महिलाओं द्वारा दरी/कालीन का निर्माण/विक्रय किया जा रहा हैं। जनपद के प्रत्येक विकास खण्ड एक पावरलूम यूनिट की स्थापना कर बनारसी साड़ी का उत्पादन समूह की महिलाओं द्वारा किया जा रहा हैं तथा विकास खण्ड नरायनपुर में समूह द्वारा सेनेटरी नैपकीन यूनिट स्थापित कर समूह की महिलाओं को कम पैसे में उचित गुणवत्तापूर्ण सेनेटरी नैपकीन उपलब्ध कराई जा रही हैं।

आयोजन परमार्थ निकेतन से प्रथम श्रावण सोमवार की अनेकानेक शुभकामनायें

परमार्थ निकेतन में पांच दिवसीय गंगा जी के प्रति जागरूकता और आरती कार्यशाला का आयोजन

भारत संवाद

- परमार्थ निकेतन, राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन, नमामि गंगे और अर्थ गंगा के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित
- भारत के विभिन्न राज्यों से आये पंडितों ने गंगा जी के प्रति जागरूकता एवं आरती कार्यशाला का लिया प्रशिक्षण
- गंगाजी केवल नदी नहीं, जीवनदायिनी संस्कृति हैं : स्वामी चिदानन्द सरस्वती

ऋषिकेश। श्रावण मास के प्रथम सोमवार के पावन अवसर पर परमार्थ निकेतन में एक विशेष पांच दिवसीय गंगा जी के प्रति जागरूकता एवं आरती कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। यह कार्यशाला राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन, नमामि गंगे तथा अर्थ गंगा अभियान के संयुक्त तत्वावधान में संपन्न हुई, जिसका उद्देश्य गंगाजी की आरती की आध्यात्मिक गरिमा को सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरणीय जागरूकता के साथ जोड़ना है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में देशभर के गंगा तट के पांचों राज्यों से आए पुरोहितों, पंडितों और कर्मकांड करने वाले युवा प्रतिभागियों ने सहभाग किया। उन्हें गंगा आरती की पारंपरिक शैली, वैदिक महत्व, पर्यावरणीय संदेश और सामाजिक प्रभाव के बारे में परमार्थ निकेतन और नमामि गंगे के प्रशिक्षकों ने प्रशिक्षित किया। प्रशिक्षण के माध्यम से प्रतिभागियों को बताया कि गंगा जी की आरती एक दिव्य धार्मिक अनुष्ठान है साथ ही यह भारत की जल-संस्कृति, पारिस्थितिकी और आध्यात्मिक चेतना का प्रतीक भी है। प्रत्येक संध्या जब परमार्थ गंगा तट दीपमालाओं से आलोकित होता है, तब आराधना के साथ जन-जागरूकता, पर्यावरणीय उत्तरदायित्व और सांस्कृतिक अस्मिता का भी प्रतीक है। स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने कहा कि गंगा जी की आरती आस्था व श्रद्धा के साथ सेवा, संस्कृति और स्थायित्व की त्रिवेणी भी है। गंगा आरती एक स्थानीय आर्थिक तंत्र का सशक्त आधार भी है। इसके माध्यम से स्थानीय लोगों को रोजगार, संस्कृति आधारित पर्यटन और सतत विकास के अवसर प्राप्त होते हैं। स्वामी जी ने कहा कि गंगा जी केवल एक नदी ही नहीं है, वह भारत की जीवंत आत्मा हैं। वह हमारी संस्कृति, सभ्यता और सनातन परंपरा की आधारशिला हैं। गंगा जी की धारा में केवल जल ही नहीं, बल्कि आस्था, संस्कार और चेतना का प्रवाह है। गंगा आरती इसी चेतना का उत्सव है। गंगा आरती में जब दीपों की लहरें गंगा की लहरों से मिलती हैं, तो वह संस्कृति और प्रकृति का संगम बन जाती है। यह आरती जल संरक्षण, पर्यावरण रक्षा और सांस्कृतिक चेतना का सशक्त माध्यम है। इस चेतना को जन-जन तक पहुँचाने में पुरोहितों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। वे न केवल आरती करते हैं, बल्कि समाज को यह संदेश भी देते हैं कि गंगा की रक्षा हमारा धर्म है। जब तक गंगा बहेगी, भारत की आत्मा जीवित रहेगी और जब तक यह आत्मा जीवित है, तब तक हम सबको आस्था और उत्तरदायित्व दोनों का दीपक जलाए रखना है। जब तक गंगा बहेगी, भारत की संस्कृति, चेतना और जीवन प्रवाह अविरल रहेगा। कार्यशाला में प्रशिक्षण लेने आये पुरोहितों ने परमार्थ निकेतन में गंगाजी के तट पर आयोजित दिव्य व भव्य गंगा आरती में सहभाग कर आरती के प्रशिक्षण के साथ ही जल व पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। स्वामी जी ने उन्हें रूद्राक्ष का पौधा देकर हरित पर्व व त्यौहार मनाने का संदेश दिया तथा एक पौधा अपनी माँ और एक धरती माँ के नाम रोपित करने का संकल्प कराया। इस कार्यशाला में नमामि गंगे के संचार विशेषज्ञ श्री पूरन चन्द कापड़ी जी, परमार्थ निकेतन से गंगा नन्दिनी जी, वन्दना शर्मा जी, राकेश रोशन जी, उमा जी, आचार्य संदीप शास्त्री जी, आचार्य दिलीप क्षेत्री जी, ऋषिकुमार आयुष, परमार्थ गुरूकुल के ऋषिकुमार का उत्कृष्ट योगदान दिया।

संचारी रोग अभियान के अर्न्तविभागीय गतिविधियों के प्रगति के सम्बध में बैठक कर की गई समीक्षा

जल जमाव वाले क्षेत्रो में पानी निकासी की कराएं व्यवस्था, अथवा बनाए सोकपिट टैंक

भारत संवाद

मीरजापुर ,एक जुलाई 2025 से 31 जुलाई 2025 तक चलने वाले संचारी रोग अभियान के प्रगति की समीक्षा के लिए द्वितीय बैठक आयोजित कर जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन व मुख्य विकास अधिकारी विशाल कुमार ने अर्न्तविभागीय गतिविधियों के लक्ष्य के सापेक्ष अब तक की गई उपलब्धि व यूनीसेफ व डब्लू0एच0ओ0 द्वारा सर्वे के पश्चात प्राप्त आख्या के बिन्दुवार समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने सभी अर्न्तविभागीय अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि जिस विभाग को जिस कार्य का लक्ष्य निर्धारित किया गया है वे पूरी पारदर्शिता के साथ समय से पूरा कराएं ताकि लोगो को संक्रमणीय रोगो से बचाया जा सकें। अभियान की विस्तृत समीक्षा करते हुए मुख्य विकास अधिकारी ने सभी खण्ड विकास अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि जिस आबादी के पास अथवा मार्गो के किनारे जल जमाव की स्थिति हो ऐसे स्थानों पर पाइप लगाकर उचित स्थान पर जल निकासी कराई अथवा वहीं आस पास सोकपिट टैंक बनाकर जल जमाव की स्थिति को समाप्त कराया जाए। उन्होंने कहा कि पानी के कई दिन इकट्ठा रहने संक्रामक बीमारियों को फैलने की आशंका रहती हैं। आबादी वाले क्षेत्रो में व जल जमाव वाले स्थल नालियों आदि स्थान पर नियमिति रूप से एंटी लार्वा का छिड़काव सफाई अभियान सुनिश्चित कराई जाए। उन्होंने कहा कि ड्रोन के माध्यम से सर्वे करते हुए गंदगी व कूड़ा इकट्ठा होने वाले स्थान की सफाई सुनिश्चित कराई जाए मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि गांव/मजरे में कुछ स्थान का चयन करते हुए कूड़ा स्थल बनाया जाए तथा प्रत्येक सप्ताह उसका उठान कर उचित स्थल पर निस्तारण किया जाए। उन्होंने सभी ग्राम पंचायत अधिकारियों को निर्देशित किया कि गांव में भ्रमण करे तथा जल जमाव व गंदगी वाले क्षेत्रो की सफाई सुनिश्चित कराएं। उन्होंने कहा कि गांव के गलियों व अन्य स्थानों पर यदि कई दिन से कूड़ा इकट्ठा अथवा गंदगी पाई जाती है तो सम्बन्धित सफाई कर्मी की जिम्मेदारी तय करते हुए कार्यवाही की जाए। सड़को व गलियों के किनारे झाड़ियों की कटाई, सड़को की मरम्मत भी सुनिश्चित कराई जाए। उन्होंने सर्वे के अनुसार मड़िहान, पड़री, गुरूसण्डी तथा कछंवा क्षेत्र में जल जमाव व सफाई पर विशेष बल देते हुए प्रगति लाने का निर्देश दिया।

कोका कोला त्रिशुंडी प्लांट द्वारा दस हजार पौधे लगाने के संकल्प के तहत आज लगाए 500पौधे ।

भारत संवाद

अमेठी (त्रिशुंडी) भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 05 जून को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर एक पेड़ माँ के नाम अभियान की शुरूआत की गई। इस पहल का मुख्य उद्देश्य वर्तमान समय में बढ़ती ग्लोबल वार्मिंग से निजात पाना एवं इस धरा के भविष्य को सुरक्षित रखना है ।प्लांट के वरिष्ठ एवं वाइस प्रेसिडेंट (वीपी) पंकज की अगुवाई में टीम को इस महाअभियान के प्रति जागरूक किया गया,उन्होंने बताया कि वृक्षारोपण से पर्यावरण संरक्षण एवं वायु प्रदूषण को कम किया जा सकता है। एसएलएमजी कोका कोला त्रिशुंडी, द्वारा 'एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत दस हजार वृक्षारोपण का संकल्प लिया गया था ।उसी क्रम में आज 500 पौधे लगाते हुए अभियान को आगे बढ़ाया गया, इस अवसर पर प्रबंधक जय तिवारी ने मानव जीवन में इसकी अनिवार्यता पर विस्तृत चर्चा की, उन्होंने ने कहा वृक्षारोपण से हरित आवरण में वृद्धि एवं पर्यावरण संतुलन बनाने में मदद मिलेगी साथ ही जलवायु परिवर्तन के प्रभाव पर भी अंकुश लगाया जा सकता है वृक्षारोपण द्वारा कार्बन उत्सर्जन की मात्रा कम होगी लोग अच्छी सांस लेंगे, ग्लोबल वार्मिंग के प्रभाव को बढ़ने से रोका जाएगा, और जंगलों की तरफ कटाई ना करें उसे बढ़ाएं और संरक्षित करें। उन्होंने साथ साथ जल संरक्षण का भी संदेश दिया और कहा कि एक छोटा से तालाब के रूप में पिट बनाएं वर्षा जल को रोकें, और पानी को रिचार्ज करें, जिससे जल स्तर बना रहे। पेड़ लगाकर, या वृक्षारोपण करके, हम वायुमंडल से कार्बन डाइऑक्साइड को कम कर सकते हैं। पेड़ प्रकाश संश्लेषण की प्रक्रिया के दौरान कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित करते हैं और ऑक्सीजन छोड़ते हैं, जिससे कार्बन को वायुमंडल से हटाने में मदद मिलती है। अधिक पेड़ लगाने से, हम वन आवरण का विस्तार कर सकते हैं,शहरी वातावरण में छाया प्रदान करके ऊर्जा बचाने में पेड़ महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, क्योंकि ये शहरों में तापमान कम कर सकते हैं ।इस अभियान में प्लांट के कर्मचारी ,बादल नागर, पवन अग्रहरि, दिनेश, नितेश राय, संदीप सारस्वत, पंकज त्रिपाठी नीरज राना , संजय यादव, तेज बहादुर आदि ने अपनी सहभागिता सुनिश्चित की।

लेखपालों ने हापुड में तैनात लेखपाल की मृत्यु के कारणों की उच्च स्तरीय जांच कराने की मांग की

भारत संवाद

सहारनपुर। हापुड़ में तैनात लेखपाल सुभाष मीणा की मौत पर लेखपाल संघ ने सहारनपुर में उपजिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा। संघ ने उच्च स्तरीय जांच, आर्थिक सहायता और मृतक के आश्रित को सरकारी नौकरी देने की मांग की है।संगठन का कहना है कि जिलाधिकारी हापुड़ द्वारा बिना जांच के झूठी शिकायत के आधार पर उत्पीड़नात्मक कार्रवाई की गई, जिससे लेखपाल तनाव में आ गए और उनकी मृत्यु हो गई।ज्ञापन में कहा गया है कि कुछ अधिकारियों में सोशल मीडिया पर छवि बनाने की होड़ के चलते अधीनस्थों को सार्वजनिक रूप से अपमानित करने की प्रवृत्ति बढ़ रही है।इससे कर्मचारी मानसिक तनाव में काम कर रहे हैं। मुख्य सचिव द्वारा प्रत्येक माह कर्मचारियों की समस्याओं पर बैठक के निर्देश भी लागू नहीं हो रहे हैं।

फास्ट ट्रैक

अंतर्राष्ट्रीय पेपर बैग दिवस कार्यक्रम का आयोजन

सहारनपुर। वार्ड नंबर 24 गोविंद नगर एरिया सीताराम मंदिर पठानपुरा मोहल्ले में आईटीसी मिशन सुनहरा कल पीजेआरएम फोर्स ट्रस्ट नगर निगम सहारनपुर के तत्वाधान में आरंभ अंतर्राष्ट्रीय पेपर बैग दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया यह प्रोगाम संघर्ष मोहल्ला समिति बैठक में वार्ड पार्षद राजीव वर्मा उफ अनु जी द्वारा वार्ड के लोगों को प्लास्टिक पॉलिथीन आदि का उपयोग न करने की अपील की और सभी लोगों को पेपर बैग वितरित किए गए इस कार्यक्रम में वार्ड पार्षद जी नगर निगम सुपरवाइजर व फोर्स टीम मोहल्ला समिति के लोग उपस्थित रहे।

कांग्रेसियों वाराणसी मामले को राज्यपाल को भेजा ज्ञापन

सहारनपुर। वाराणसी में कांग्रेस नेताओं पर दर्ज मुकदमे के विरोध में सहारनपुर के कांग्रेस पदाधिकारियों ने राज्यपाल उत्तर प्रदेश को संबोधित एक ज्ञापन जिलाधिकारी के माध्यम से भेजा है। ज्ञापन में प्रदेश सरकार पर लोकतांत्रिक आवाज को दबाने का आरोप लगाया गया है और मांग की गई है कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय सहित अन्य नेताओं के खिलाफ 10 जुलाई 2025 को सिगरा थाने में दर्ज मुकदमा निरस्त किया जाए।ज्ञापन में कहा गया है कि काशी केवल एक नगर नहीं, बल्कि भारत की धार्मिक और सांस्कृतिक आत्मा का केंद्र है। सावन जैसे पवित्र माह में भी वहां की आम जनता और श्रद्धालु बुनियादी सुविधाओं के अभाव से परेशान हैं। जलभराव, सीवर जाम, यातायात अव्यवस्था और प्रशासनिक लापरवाही को लेकर कांग्रेसजन वाराणसी में शांतिपूर्ण पदयात्रा कर रहे थे, ताकि सरकार का ध्यान इन समस्याओं की ओर दिलाया जा सके।ज्ञापन में यह भी कहा गया है कि जब जनप्रतिनिधि जनता की समस्याओं को उठाते हैं, तो उनका दमन करना न केवल लोकतंत्र की हत्या है, बल्कि यह प्रशासनिक अमानवीयता का भी उदाहरण है। कांग्रेस पदाधिकारियों ने आरोप लगाया कि प्रदेश सरकार जनआक्रोश और असल मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए अजय राय सहित कांग्रेसजनों पर फर्जी मुकदमे दर्ज करवा रही है ।ज्ञापन में राज्यपाल से मांग की कि वे उत्तर प्रदेश की संवैधानिक प्रमुख होने के नाते इस मामले में तत्काल हस्तक्षेप करें और अजय राय एवं अन्य नेताओं के विरुद्ध दर्ज मुकदमा रद्द कराएं।ज्ञापन देने वालों में संदीप सिंह राणा (जिला अध्यक्ष), बरुण शमी (जिला उपाध्यक्ष), नलीन खान, मयंक शर्मा, प्रभजीत, सहित अन्य कांग्रेस जन रहे। पदाधिकारियों ने चेतावनी दी है कि यदि सरकार अपनी दमनकारी कार्रवाई से बाज नहीं आई तो कांग्रेस कार्यकर्ता प्रदेशव्यापी आंदोलन को बाध्य होंगे।

सैम्पलिंग के नाम पर उत्पीड़न का आरोप लगाया

सहारनपुर। क्षेत्र के दुग्ध व्यवसायी सलमान मलिक ने प्रशासनिक अधिकारियों पर दूध की सैंपलिंग के नाम पर नियमों के उल्लंघन और उत्पीड़न का आरोप लगाया है। पीड़ित द्वारा जिलाधिकारी को सौंपे गए शिकायती पत्र में बताया गया है कि 8 जुलाई 2025 को शाम करीब 6 बजे प्रशासन की टीम ने उनके प्रतिष्ठान ष्मलिक डेयरीष्पर पहुंचकर दूध का सैंपल लिया ।व्यवसायी का आरोप है कि अधिकारियों द्वारा सैंपलिंग के दौरान फॉर्मोलिन का मानक साल्ट उपलब्ध नहीं था, बल्कि एक सेविंग लोशन की बोतल में रखा कैमिकल प्रयोग में लाया गया, जिसकी कोई पहचान, मैन्युफैक्चरिंग अथवा एक्सपायरी तिथि नहीं दिखाई गई। उन्होंने कहा कि कैमिकल की मात्रा तक अंकित नहीं की गई, जिससे सैंपल की विधिवतता पर सवाल खड़े होते हैं ।सलमान मलिक ने यह भी आरोप लगाया कि सैंपल लेने के बाद अधिकारियों ने पुलिस को उनके घर भेजा, जो कि प्रतिष्ठान से करीब एक किलोमीटर दूर स्थित है। आरोप है कि यह कार्रवाई बिना किसी वारंट और बिना महिला पुलिसकर्मी के की गई, जिसमें घर की महिलाओं के साथ अभद्र व्यवहार भी किया गया ।व्यापारी का कहना है कि उनके पास पूरे घटनाक्रम के सीसीटीवी फुटेज और वीडियो रिकॉर्डिंग उपलब्ध हैं, जो अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाते हैं। उन्होंने इस प्रक्रिया को पूर्णतया गलत और पूर्व नियोजित बताते हुए जिलाधिकारी से सैंपलिंग को निरस्त करने और दोषी अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। शिकायत की प्रतिलिपि जिला अभिहित अधिकारी सहारनपुर और खाद्य आयुक्त लखनऊ को भी भेजी गई है। मामले में नरेश गोयल (जिला अध्यक्ष), पंकज गुप्ता (महानगर अध्यक्ष), राजीव नामदेव (जिला संयोजक) सहित अन्य व्यापारियों ने भी प्रकरण की निष्पक्ष जांच की मांग की है।

श्रावण मास में लगा कंन्होई वाले भूमियां बाबा के मंदिर पर लक्खी मेला

प्रवीन कुमार शर्मा संवादाता चंडोस/ भारत संवाद

अलीगढ। भगवान शंकर के अवतार माने जाने वाले सिद्धनाथ भूमियाँ बाबा भक्तों पर अपनी कृपा बरसाते है जिला मुख्यालय से करीब 20 किलोमीटर दूर कस्बा गभाना के पास जीटी रोड पर बसे गांव कन्होई में रेलवे क्रॉसिंग के पास चमत्कारी बाबा के रूप में विख्यात श्री सिद्धनाथ भूमियाँ बाबा यहां समाधि के रूप में विराजमान है यहां वैसे तो यहां ह सोमवार को पर सावन में प्रत्येक सोमवार को लक्खी मेला लगता है भक्तों का सैलाब बाबा की पूजा अर्चना को उमड़ता है सावन मास में बाबा के मंदिर पर दर्शनों को पहुंचने वाले भक्तों की संख्या लाखों तक पहुंच जाती है मान्यता है कि भूमिया बाबा कन्होई गांव के सहारे एक झोपड़ी में रहते थे और यहीं उनका कुआ था जहां बैठकर वह पूजा अर्चना और तप किया करते थे देश में जब अंग्रेजी हुकूमत के समय दिल्ली हावड़ा रेलवे ट्रैक का कार्य शुरू हुआ तो बाबा के आश्रम के पास कुएं के ऊपर होकर रेलवे लाइन गुजरी बाबा के अनुइयों ने रेलवे लाइन को कुएं से अलग बनाने को कहा लेकिन वह नहीं माने जैसे ही ट्रायल के लिए ट्रेन चली बाबा के चमत्कारी कुएं के पास आकर अचानक बंद हो गई इसके बाद रेलवे अधिकारियों को अपनी गलती का एहसास हुआ उन्होंने बाबा से क्षमा मानकर पूजा अर्चना की जिसके बाद कुएं से अलग रेलवे लाइन को किया गया समिति के प्रबंधक रवि कुमार ने बताया कि दर्शन करने वालों की बाबा मनोकामना पूर्ण करते है।

नगर आयुक्त के सराहनीय प्रशासनिक जनहित निर्णय से जल्द व्यवस्थित होगा जमालपुर वैंडिंग जोन

साल भर के गतिरोध को नगर आयुक्त ने 1 घंटे में सुलझाया- स्थानीय दुकानदारों ने नगर आयुक्त का जताया आभार

- जमालपुर वेंडिंग जोन का गतिरोध समाप्त झ नगर आयुक्त के हस्तक्षेप से दुकानदारों को मिला समाधान, व्यवस्थित रूप से होगा पुन: आवंटन
- वेंडिंग जोन में आवंटित वेंडर्स को दुकान लगाने पर गतिरोध उत्पन्न करने वालों पर होगी सख़्त कार्यवाही- नगर आयुक्त ने अधीनस्थों को पात्र लोगों का सर्वे करने के दिये निर्देश

भारत संवाद

अलीगढ़ नगर निगम की बड़ी पहल के अंतर्गत सोमवार को नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा ने जमालपुर वेंडिंग जोन में लंबे समय से चल रहे गतिरोध को खत्म कर एक बड़ी प्रशासनिक उपलब्धि दर्ज की। पिछले लगभग एक वर्ष से यह क्षेत्र असंगठित स्ट्रीट वेंडर्स, ट्रैफिक व्यवस्था जाम और जन असंतोष का केंद्र बना हुआ था, जिससे सैकड़ों की संख्या में पात्र दुकानदारों को अपने नियत स्थानों पर दुकान लगाने में कठिनाइयाँ आ रही थीं तो वही अव्यवस्थित वेंडर्स के खड़े होने के कारण आम नागरिकों को जाम की समस्या से जूझना पड़ रहा था

सालभर से चला आ रहा था विवाद

नगर निगम द्वारा जमालपुर ब्लाइंड स्कूल के पास वेंडिंग जोन विकसित कर लॉटरी सिस्टम के जरिए पात्र स्ट्रीट वेंडर्स को दुकानें आवंटित की गई थीं। यह पहल प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर निधि योजना के अंतर्गत स्वरोजगार के अवसर बढ़ाने हेतु की गई थी। किन्तु लॉटरी प्रक्रिया के बाद भी बड़ी संख्या में दुकानदार असंतुष्ट रहे। गैर-पात्र व्यक्तियों ने भी जोन में अतिक्रमण कर दुकानें लगा लीं, जिससे वास्तविक लाभार्थियों को उनका हक नहीं मिल पा रहा था। परिणामस्वरूप वेंडिंग जोन अपनी मूल अवधारणा से भटक गया और वहां अव्यवस्था का माहौल बन गया था।

नगर आयुक्त का त्वरित निर्णय झ 1 घंटे में हल किया साल भर का विवाद

सोमवार दोपहर को नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा स्वयं जमालपुर वेंडिंग जोन पहुंचे और मौके पर उपस्थित स्थानीय दुकानदारों, व्यापारियों तथा निगम अधिकारियों से बातचीत की। बिना किसी देरी के, उन्होंने समस्त पक्षों को सुना और पारदर्शी समाधान की पहल की। स्थानीय दुकानदारों ने मांग रखी कि एक परिवार के एक ही सदस्य को दुकान आवंटित की जाए ताकि अधिक से अधिक लोगों को लाभ मिले और कोई भी व्यक्ति अनावश्यक रूप से कई दुकानें न ले सके। इस सुझाव पर नगर आयुक्त ने तत्काल सहमति व्यक्त की और पूर्व में की गई लॉटरी प्रणाली को निरस्त करने की घोषणा की।

सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के जिलाध्यक्ष ने पंचायती राज मंत्री से की मुलाकात

अकराबाद को अलीगढ की नई तहसील बनवाने की रखी मांग

प्रवीन कुमार शर्मा संवाददाता चंडोस/ भारत संवाद

अलीगढ। आज सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के जिलाध्यक्ष अमित जादौन ने पंचायती राज मंत्री ओमप्रकाश राजभर से प्रदेश मुख्यालय लखनऊ में मुलाकात कर जनपद अलीगढ़ के विधानसभा के ब्लॉक अकराबाद को तहसील बनाने की विस्तृत चर्चा की जिलाध्यक्ष ने बताया कि ब्लॉक अकराबाद जो वर्तमान में कोल तहसील के अंतर्गत आता है ग्रामीणों को प्रशासनिक कार्यों जैसे जमीन के दस्तावेज, रजिस्ट्री या अन्य राजस्व संबंधी कार्यों के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ती है जो समय और धन की बबार्दी का कारण बनते है नई तहसील बनने से स्थानीय लोगों को निकटवर्ती प्रशासनिक केंद्र मिलेगा अकराबाद तहसील बनने से कोल तहसील का बोझ कम होगा अकराबाद में तहसील के लिए हाइवे के किनारे एवं थाने के पास पर्याप्त सरकारी जमीन उपलब्ध है तहसील की मांग क्षेत्र की भौगोलिक, जनसंख्यागत और प्रशासनिक आवश्यकताओं को पूरा करती है।

217 युवाओं को मिला रोजगार का अवसर

राजकीय आईटीआई में आयोजित हुआ बृहद रोजगार मेला

अलीगढ़ (सू0वि0): उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन, राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान एवं सेवायोजन कार्यालय के संयुक्त तत्वावधान में राजकीय आईटीआई, अलीगढ़ परिसर में बृहद रोजगार मेले का आयोजन किया गया ।रोजगार मेले में जिला एवं आसपास के क्षेत्रों से आए छात्र-छात्राओं द्वारा उत्साहपूर्वक भागीदारी की गई। मेले में कुल 13 नामचीन कंपनियों ने प्रतिभाग किया, जिनमें प्रमुख रूप से पावना इंडस्ट्रीज, टाटा मोटर्स, मारूति सुजुकी, वीजन इंडिया, मिंडा इंडस्ट्रीज, लुमैक्स ऑटो टेक, हीरानंदानी ग्रुप, विप्रो कस्टमर सर्विसेस आदि सम्मिलित रहीं। मेले में 681 छात्र-छात्राओं ने क्यूआर कोड के माध्यम से पंजीकरण कराया, जिनमें से 217 अभ्यर्थियों का विभिन्न कंपनियों में चयन किया गया। चयन प्रक्रिया में साक्षात्कार, दस्तावेज सत्यापन एवं कौशल परीक्षण आदि प्रमुख आधार रहे। रोजगार मेले में राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के नोडल प्रधानाचार्य एवं जिला समन्वयक राजेश गौतम, कार्यदेशक हुकुम सिंह, सेवायोजन विभाग के अधिकारीगण, संस्थान के प्रशिक्षकगण एवं विभिन्न कंपनियों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। सभी ने इस आयोजन की सराहना करते हुए युवाओं को स्वरोजगार एवं निजी क्षेत्र में कैरियर के अवसरों के प्रति जागरूक किए जाने की दिशा में ऐसे आयोजनों की आवश्यकता पर बल दिया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि रोजगार मेलों के माध्यम से तकनीकी योग्यता प्राप्त युवाओं को एक ही स्थान पर रोजगार के बहुपर्याय विकल्प उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। भविष्य में भी इसी प्रकार के रोजगार मेले आयोजित किए जाते रहेंगे।

निगम कार्यकारणी के लिए सर्वसम्मति से हुआ 6 सदस्यों का चुनाव

महापौर की अध्यक्षता तथा प्रशासनिक अधिकारियों की देखरेख में हुआ चुनाव

भारत संवाद

सहारनपुर। महापौर डॉ अजय कुमार की अध्यक्षता में हुई नगर निगम बोर्ड की बैठक में जिलाधिकारी द्वारा चुनाव के लिए चुनाव अधिकारी के रुप में मनोनीत डिप्टी कलेक्टर श्वेता पाण्डेय तथा सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी मनोज कुमार की देखरेख में कार्यकारणी समिति के 6 सदस्यों का चुनाव सर्वसम्मति से किया गया। महापौर ने चुने गए सभी पार्षदों के नाम की घोषणा करते हुए उन्हें प्रमाणपत्र प्रदान किये। गत कार्यकारणी के दो सदस्यों मयंक गर्ग व मंसूर बदर को लगातार दूसरी बार चुना गया। महापौर डॉ. अजय कुमार, विधायक राजीव गुंबर व देवेंद्र निम, नगरायुक्त शिपू गिरि तथा भाजपा महानगर अध्यक्ष शीतल विश्नोई ने कार्यकारणी के लिए नव निर्वाचित पार्षदों का माल्यार्पण कर व उन्हें मिष्ठान खिलाकर बधाई एवं शुभकामनाएं दी। निगम कार्यकारणी के लिए वर्ष 2023 में निर्वाचित पार्षदों मुकेश गक्खड़, मंसूर बदर, मयंक गर्ग, दीपक रहेजा, नीरज शर्मा व कु. सीमा बहोत कात्यानी का कार्यकाल समाप्त होने पर कार्यकारणी के नये सदस्यों का चुनाव आज होना निर्धारित था। चुनाव प्रक्रिया निर्धारित समय साढे. 11 बजे से आधा घण्टा विलंब से शुरू हुई। कार्यकारणी समिति में नये सदस्यों के लिए वार्ड 46 की पार्षद ज्योति अग्रवाल, वार्ड 35 के पार्षद मयंक गर्ग, वार्ड 47 के पार्षद अभिषेक अरोड़ा उर्फ टिंकू, वार्ड 16 के पार्षद सलेख चंद, वार्ड 43 के पार्षद मंसूर बदर तथा वार्ड 13 की पार्षद आरती द्वारा नामांकन पत्र दाखिल किये गए। चुनाव प्रक्रिया में सहायक लेखाधिकारी मनोज त्रिपाठी व एमएनएलपी सच्चिदानंद त्रिपाठी ने घोषणा की कि जांच में उक्त सभी पार्षदों के नामांकन सही पाये गए हैं। इस अवसर पर नवनिर्वाचित पार्षदों को महापौर डॉ. अजय कुमार ने बधाई देते हुए कहा कि आओ हम संकल्प लें कि नगर निगम सीमा क्षेत्र में रहने वाले लोगों की सुख सुविधा और जो भी उनकी अपेक्षाएं नगर निगम से हैं

बैठक

जिले की 875 ग्राम पंचायतों में से 723 को 70 प्लस आयुष्मान कार्ड से किया गया

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक संपन्न

भारत संवाद

- जिला अस्पताल में 3.37 लाख से बनेगी मण्डलीय डेंटल लैब
- स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित विभिन्न अभियानों में अन्तर्विभागीय समन्वय से किया जाए कार्य -संजीव रंजन, डीएम

अलीगढ़ (सू0वि0): जिलाधिकारी संजीव रंजन की अध्यक्षता में कलैक्ट्रेट सभागार में सोमवार को जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक का आयोजन किया गया। उन्होंने कहा कि सभी को स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना चिकित्सा विभाग की जिम्मेदारी है, इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही क्षम्य न होगी ।समीक्षा के दौरान पाया गया कि मलखान सिंह जिला चिकित्सालय में भर्ती किए गए मरीजों, एक्स-रे एवं पैथोलॉजी सेवाओं में कमी दर्ज की गई है। इसी प्रकार जिला महिला चिकित्सालय, 100 शैय्या चिकित्सालय अतरौली एवं सीएचसी इगलास में संस्थागत प्रसव में कमी देखने को मिली। इस पर जिलाधिकारी ने संबंधित सीएमएस एवं एमओआईसी से स्पष्टीकरण प्राप्त करने के निर्देश दिए। सीएमओ डा0 नीरज त्यागी ने बताया कि मेडिकल कॉलेज स्थित पोषण प्रनर्वास केंद्र में अप्रैल से जून तक उपलब्ध संसाधनों का शत-प्रतिशत उपयोग करते हुए 329 लाभार्थियों को लाभान्वित किया गया। उन्होंने बताया कि 06 सीएचसी गभाना, अकराबाद, छर्रा, अतरौली, खैर, इगलास में स्थापित एनबीएसयू का सफलतापूर्वक संचालन किया जा रहा है। परिवार नियोजन कार्यक्रम की समीक्षा में सीएचसी बिजौली की स्थिति काफी खराब पाई गई। सीएमओ ने बताया कि वर्तमान में डेंगू का कोई प्रकरण सामने नहीं आया है, जबकि मलेरिया का एक प्रकरण संज्ञान में आया है। राष्ट्रीय अंधता निवारण कार्यक्रम के तहत 2024-25 में 1769 व्यक्तियों को लाभान्वित किया गया है वहीं जून माह में 245 और एनजीओ द्वारा 142 मोतियाबिंद के ऑपरेशन किए गए। सीएमओ ने बताया कि अब तक 171505 मरीज आयुष्मान योजनान्तर्गत लाभ प्राप्त कर चुके हैं। वहीं 70 प्लस वरिष्ठ नागरिकों के 36191 गोल्डन कार्ड बनाकर जिला प्रदेश में 05 वें स्थान पर है। उन्होंने बताया कि जिले की 875 ग्राम पंचायतों में से 723 को 70 प्लस आयुष्मान कार्ड से शत-प्रतिशत आच्छादित कर दिया गया है।

प्रदूषण से बचाव के लिए इलैक्ट्रिक स्कूटर बेहतर: महापौर

भारत संवाद

सहारनपुर। टूविल्हर कम्पनी हीरो मोटोकॉर्प के नये विडा वीएक्स 2 इलैक्ट्रिक स्कूटर को सहारनपुर मे लॉन्च करने को लेकर आयोजित हुए कार्यक्रम में विधायक राजीव गुम्बर, महापौर डाक्टर अजय सिंह के द्वारा इसे सहारनपुर मंडल की जनता के लिए लांच करते हुए ग्राहकों को चाबी प्रदान कर शुभकामनाएं दी गई।

लिंक रोड स्थित बावा ऑटो (डी) प्राइवेट लिमिटेड पर आयोजित कार्यक्रम में आयोजको के द्वारा बताया गया कि भारत की विश्वस्तरीय टूविल्हर कम्पनी हीरो मोटोकॉर्प द्वारा 1 जुलाई को नया विडा वीएक्स 2 इलैक्ट्रिक स्कूटर लॉन्च किया गया था। यह नया स्कूटर मौजूदा विडा वी2 रेंज की तुलना में अधिक किफायती विकल्प के रूप में पेश किया गया है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महापौर डॉ. अजय सिंह ने हीरो मोटोकोर्प के द्वारा विडा वीएक्स2 इलेक्ट्रिक स्कूटर की लॉच पर बधाई देते हुए कहा की आज प्रदुषण से बचाव के लिए इस तरह की पहल कम्पनी के द्वारा जो की गयी है बधाई के पात्र है। इलेक्ट्रीक स्कूटर की योजन को बढ़ाने के लिए ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के द्वारा पी.एँम ड्राइव योजना के तहत इलेक्ट्रीक स्कूटर की खरीद पर 5000 रुपये की सब्सिडी प्रदान की जा रही है। नगर विधायक राजीव गुम्बर ने बाबा ऑटो (डी) और समस्त लोगो को बधाई देते हुए बताया है की जिस प्रकार प्रधानमंत्री मोदी की निति प्रदूषण रहित ऑटोमोबाइल क्षेत्र को आगे बढ़ाना है।

भारत संवाद परिवार 1-संरक्षक-भारत संवाद डॉ राम किशोर शर्मा पूर्व विभागाध्यक्ष इलाहाबाद विश्व विद्यालय कबीर सम्मान 2021 से सम्मानित, 2-संरक्षक-भारत संवाद, आचार्य पं0 पृथ्वीनाथ पाण्डेय भाषाविज्ञानी एंव मीडियाध्ययन विशेषज्ञ, 3-संरक्षक-भारत संवाद गजानन महतपुरकर, (सुपरिचित कवि, लेखक, गीतकार, मंच संचालक, स्वतंत्र पत्रकार एवं सदस्य, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी तथा पश्चिम रेलवे, चर्चगेट के वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी पद से सेवानिवृत्त), 4-कला एवं मनोरंजन संपादक (भारत संवाद), जगन्नाथ तिवारी, 5-उपसंपादक (भारत संवाद), माता प्रसाद शर्मा, 6-प्रभारी प्रयागराज संस्करण आशीष कुमार शर्मा

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक अरविन्द कुमार शर्मा द्वारा रमा प्रिंटिंग प्रेस 53/25/1-ए बेली रोड नया कटरा इलाहाबाद से मुद्रित एंव ज्ञान गंगा कालोनी सराय तकी झूंसी प्रयागराज से प्रकाशित।
संपादक- अरविन्द कुमार शर्मा ।फोन नं०.05324012522 मो०-9455137214,9935750291,E mail-bharatsamvad2009@gmail.com RNI No-UPHIN/2009/30939
(किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र इलाहाबाद उच्च न्यायालय होगा)।

समय तेजी से करवट ले रहा है तथा लोगों के जीवन में जटिलताएं भी निरंतर बढ़ती जा रही हैं। परेशानी एवं जटिलता भरे इस माहौल में भी लोग अपने स्वास्थ्य के प्रति तथा अपने खान-पान एवं परहेज संबंधित समस्याओं को लेकर जागरूक हैं तथा इनके समाधान के लिए आतुर रहते हैं। उनकी तमाम समस्याओं एवं जिज्ञासाओं का समाधान करते हैं न्यूट्रीशनिस्ट।

स्वस्थ जीवन की आधारशिला रखता है

न्यूट्रीशनिस्ट

एक सामान्य जीवन व्यतीत करने वाले नागरिक से लेकर खिलाड़ियों के लिए जरूरी फूड सप्लिमेंट तक का उपाय इन्हीं न्यूट्रीशनिस्टों के जरिए होता है। इस आधार पर कहा जा सकता है कि न्यूट्रीशन स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए फूड एवं अन्य पदार्थों को नियंत्रित करने का विज्ञान है। आज यह अपनी उपयोगिता के चलते नये प्रोफेशन का रूप अख्तियार कर चुका है। एक न्यूट्रीशनिस्ट का काम जीवन के स्तर को ऊंचा उठाने के लिए खान-पान के तौर-तरीकों तथा अच्छे स्वास्थ्य के मद्देनजर जरूरी चीजों को बढ़ावा देना होता है। यह सारी क्रियाविधि मनुष्य की उम्र पर निर्भर करती है। इसके अलावा उनके रूटीन, बीमारी तथा कार्य के स्वरूप को देखते हुए खाद्य पदार्थों की रूपरेखा तय की जाती है। यह सुखद संकेत है कि न्यूट्रीशन के सिद्धांतों एवं परिकल्पनाओं के जरिए लोगों के अंदर व्यापक बदलाव देखने को मिले हैं। न्यूट्रीशनिस्ट अपने ज्ञान एवं शोधों के द्वारा खाद्य पदार्थों की सूची तैयार करता है तथा उस आधार पर उसे हॉस्पिटल, फिजिकल ट्रेनिंग कैम्प, पर्वतारोहियों आदि के लिए निर्धारित करता है। इन खाद्य पदार्थों में विटामिंस, मिनरल्स, आयरन आदि होते हैं, जो मनुष्य के लिए आवश्यक होते हैं। पाचन क्रिया के अध्ययन व शोधों से यह पता चला है कि शरीर में अधिकांश रिएक्शन एवं शारीरिक परेशानियां संतुलित आहार न लेने से होती हैं। इन बीमारियों में डायबिटीज, लीवर व पेट संबंधी समस्याएं शामिल हैं। यदि ये न्यूट्रीशनिस्ट किसी प्रोडक्ट मैन्युफैक्चरिंग संस्थान में कार्यरत हैं तो वे अपनी प्लानिंग एवं शोधों के जरिए नए उत्पाद के सृजन की कोशिश करते हैं। वास्तव में ये न्यूट्रीशनिस्ट स्वस्थ जीवन की आधारशिला रखने में अपनी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

बारहवीं के बाद रखें कदम

न्यूट्रीशन के फील्ड में जो भी करियर ऑप्शन हैं, वे ग्रेजुएट या पोस्ट ग्रेजुएट बनने के बाद ही सामने आते हैं। इसके लिए लोगों को होम साइंस, न्यूट्रीशन, फूड साइंस/ टेक्नोलॉजी से सबंधित कोर्स करने अनिवार्य हैं। बैचलर कोर्स (न्यूट्रीशन एवं डायटीशियन) के लिए छात्र को विज्ञान विषयों (फिजिक्स, कैमिस्ट्री, होम साइंस एवं बायोलॉजी) में पास होना अनिवार्य है। तभी बीएससी इन होम साइंस तथा अन्य बैचलर प्रोग्राम जैसे फूड साइंस एंड टेक्नोलॉजी, मेडिसिन, होटल मैनेजमेंट एंड कैटरिंग टेक्नोलॉजी से संबंधित अन्य विषयों को भी शामिल किया जाता है। कुछ ऐसे भी संस्थान हैं जो 10+2 के पश्चात चार वर्षीय फूड टेक्नोलॉजी कोर्स कराते हैं, जबकि पोस्ट ग्रेजुएट लेवल पर न्यूट्रीशन का डायटीशियन से संबंधित कोर्स या तो दो वर्ष का है या फिर पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा (1 वर्षीय) के रूप में है। पीजी तथा पीजी डिप्लोमा कोर्स करने के लिए फूड साइंस, होम साइंस, होटल मैनेजमेंट एंड कैटरिंग टेक्नोलॉजी, बायो कैमिस्ट्री तथा मेडिसिन में बैचलर होना आवश्यक है। एमएससी इन होम साइंस भी इसी स्तर पर किया जाता है। इसके बाद पीएचडी का रास्ता खुलता है।

सिलेबस भी है कुछ खास

न्यूट्रीशन से संबंधित कोर्सों का सिलेबस काफी फैला हुआ तथा रुचिकर है। स्कूली स्तर से लेकर मास्टर एवं रिसर्च लेवल तक का पाठ्यक्रम बताता है कि स्कूलों में न्यूट्रीशन प्रोग्राम के अंतर्गत स्वस्थ खाना एवं उसके फायदे, स्वास्थ्य की जरूरत, मेन्यू डिजाइनिंग, बच्चों में फैट की मात्र, कुकिंग वर्कशॉप तथा प्रकृति के प्रति सहानुभूति दर्शाई जाती है। इसी तरह से एमएससी होम साइंस के सिलेबस में बायोकैमिस्ट्री, न्यूट्रीशन संबंधी रिसर्च, फिजियोलॉजी, बायोस्टेटिस्टिक, मनुष्य की न्यूट्रीशन की आवश्यकता, माइक्रोबायोलॉजी, प्रिंसिपल ऑफ फूड साइंस के अलावा अंतिम वर्ष तक ह्यूमन न्यूट्रीशन एंड डायटेक्टिक, इंस्टीटयूशनल मैनेजमेंट एवं फूड साइंस शामिल किया जाता है, जबकि एक वर्षीय डिप्लोमा इन डायटेक्टिस एंड पब्लिक हैल्थ न्यूट्रीशन (डीडीपीएचएन) के अंतर्गत तीन माह की कंपलसरी इंटर्नशिप दी जाती है। यह इंटर्नशिप किसी हॉस्पिटल या योग्य डायटीशियन के अंडर कराई जाती है। इसमें बायोकैमिस्ट्री, न्यूट्रीशन, अप्लाइड फिडियोलॉजी, फूड माइक्रो बायोलॉजी, एडमिनिस्ट्रेशन, थिरैप्टिक न्यूट्रीशन तथा पब्लिक हैल्थ न्यूट्रीशन आते हैं।

खान-पान में अभिरुचि जरूरी

एक अच्छे न्यूट्रीशनिस्ट की रुचि खानपान एवं उसे तैयार करने में अवश्य होनी चाहिए। तभी वह इस फील्ड की बारीकियों को समझ पाएगा। समूह में अथवा व्यक्तिगत स्तर पर लोगों को अपने बोलने की कला से बांधे रखने (कम्युनिकेशन स्किल्स), विभिन्न रिपोर्ट तैयार करने का कौशल तथा पोस्टर, बैनर लिखने संबंधी ज्ञान भी कदम-दर-कदम काम आता है। उनकी वाणी में मिठास हो तथा मरीज के साथ दोस्ताना व्यवहार बनाने की कला जानते हों। किसी भी संगठन के लिए प्लानिंग एवं इनके प्रशासनिक कार्यों को संभालने के साथ ही शारीरिक रूप से फिट तथा एक टीम लीडर की भांति काम करने का जज्बा सफलता का पैमाना तय कर सकता है। विज्ञान में अभिरुचि तथा उत्तरदायित्व जैसे गुणों को भी एक न्यूट्रीशनिस्ट के अंदर परखा जाता है।

क्या काम है न्यूट्रीशनिस्ट का

एक न्यूट्रीशनिस्ट का कार्य क्षेत्र काफी फैला हुआ है। फूड की प्लानिंग, न्यूट्रीशन प्रोग्राम तैयार करने, बीमारियों तथा जंक फूड से बचाने, पोषक गुणों से युक्त खाना खाने को प्रेरित करने से लेकर फूड सर्विस सिस्टम को प्रमुख संस्थानों जैसे स्कूल, हॉस्पिटल आदि जगहों पर प्रमोट करने संबंधी सभी कार्य इनके जिम्मे होते हैं। कुछ प्रमुख कार्य क्षेत्र इस प्रकार हैं-

क्लीनिकल डाइटीशियन- इनका कार्य किसी हॉस्पिटल, नर्सिंग केयर सेंटर अथवा अन्य संस्थानों में मरीजों को न्यूट्रीशन से संबंधित सेवाएं उपलब्ध कराना है। वे पता लगाते हैं कि मरीज को न्यूट्रीशन की कितनी आवश्यकता है तथा उसे किस रूप में इसे दिया जा सकता है। इसके बाद मिलने वाले परिणामों तथा डॉक्टर के साथ न्यूट्रीशन संबंधित आश्यकताओं पर चर्चा करते हैं।

कम्युनिटी डाइटीशियन - इनकी प्रमुख भूमिका व्यक्तिगत अथवा समूह के रूप में हैल्थ को बढ़ावा देने के लिए न्यूट्रीशन प्रैक्टिस को कारगर बनाना है। इनके काम करने का स्थान मुख्यत- पब्लिक हैल्थ क्लीनिक, होम हैल्थ एजेंसी तथा हैल्थ मेंटीनेंस ऑर्गेनाइजेशन है। कम्युनिटी डाइटीशियन किसी भी व्यक्ति अथवा उसके परिवार की डाइट को समझने, न्यूट्रीशन केयर प्लान तैयार करते हैं।

मैनेजमेंट डाइटीशियन - ये किसी भी कंपनी, स्कूल, कैफिटेरिया अथवा बड़े पैमाने पर हैल्थ केयर से संबंधित सुविधाओं की प्लानिंग करते हैं तथा उन्हें तैयार भी करते हैं। इसके लिए वे सीधे तौर पर या कड़ी के रूप में डाइटीशियन, फूड सर्विस वर्कर को अनुबंधित करते हैं। बजट, जरूरी उपकरणों, गुलेशन आदि कार्य भी इन्हीं के जिम्मे होता है।

कंसल्टेंट डाइटीशियन - ये प्राइवेट प्रैक्टिस के जरिए लोगों को हैल्थ केयर सुविधाएं उपलब्ध कराते हैं। ये अपने क्लाइंट्स को वेट कम या अधिक करने, कोलेस्ट्रॉल नियंत्रित रखने जैसे कार्यों की स्क्रीनिंग करते हैं। कुछ तो वेलनेस प्रोग्राम, स्पोर्ट्स टीम, सुपर मार्केट एवं अन्य न्यूट्रीशन से संबंधित बिजनेस में अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

कोचिंग संस्थान - न्यूट्रीशनिस्ट के लिए कोई कोचिंग सेंटर जैसी संस्था नहीं है। इसके लिए न्यूट्रीशन कंसल्टेंट जगह-जगह वर्कशॉप, सेमिनार का आयोजन कर पेशे तथा इस फील्ड के प्रति जागरुकता फैलाते हैं। विदेशों में इससे संबंधित कई कोचिंग सेंटर कार्यरत हैं। छात्र अपनी जिज्ञासा के समाधान के लिए न्यूट्रीशन कंसल्टेंट या काउंसलर की मदद ले सकते हैं।

स्कॉलरशिप - कई प्रमुख संस्थान छात्रों को स्कॉलरशिप प्रदान करते हैं। इनमें कुछ तो कोर्स के दौरान प्रदान की जाती हैं तो कुछ पीएचडी के दौरान जेआरएफ के रूप में दी जाती हैं। नेशनल इंस्टीटयूट ऑफ न्यूट्रीशन, हैदराबाद द्वारा हर साल 7-10 छात्रों को जेआरएफ प्रदान की जाती है। इसके अलावा अधिकांश संस्थान अपने छात्रों को स्कॉलरशिप अथवा फीस में छूट संबंधी सुविधाएं प्रदान करते हैं।

वेतन - मुख्य तौर पर एक न्यूट्रीशनिस्ट का वेतन उसके कार्य एवं कार्य-क्षेत्र पर निर्भर करता है। फिर भी किसी प्राइवेट हॉस्पिटल में बतौर ट्रेनी-न्यूट्रीशनिस्ट ज्वॉइन करने पर 5,000 रु. प्रति माह तथा एक से दो साल का अनुभव होने पर 10,000-12,000 रुपए हर महीने मिलते हैं। जो प्रोफेशनल फील्ड, टीचिंग एवं फूड मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स में काम करते हैं, उन्हें आकर्षक सेलरी मिलती है, जबकि कंसल्टेंट न्यूट्रीशनिस्ट प्राइवेट प्रैक्टिस के जरिए पैसा व शोहरत दोनों कमा सकते हैं।

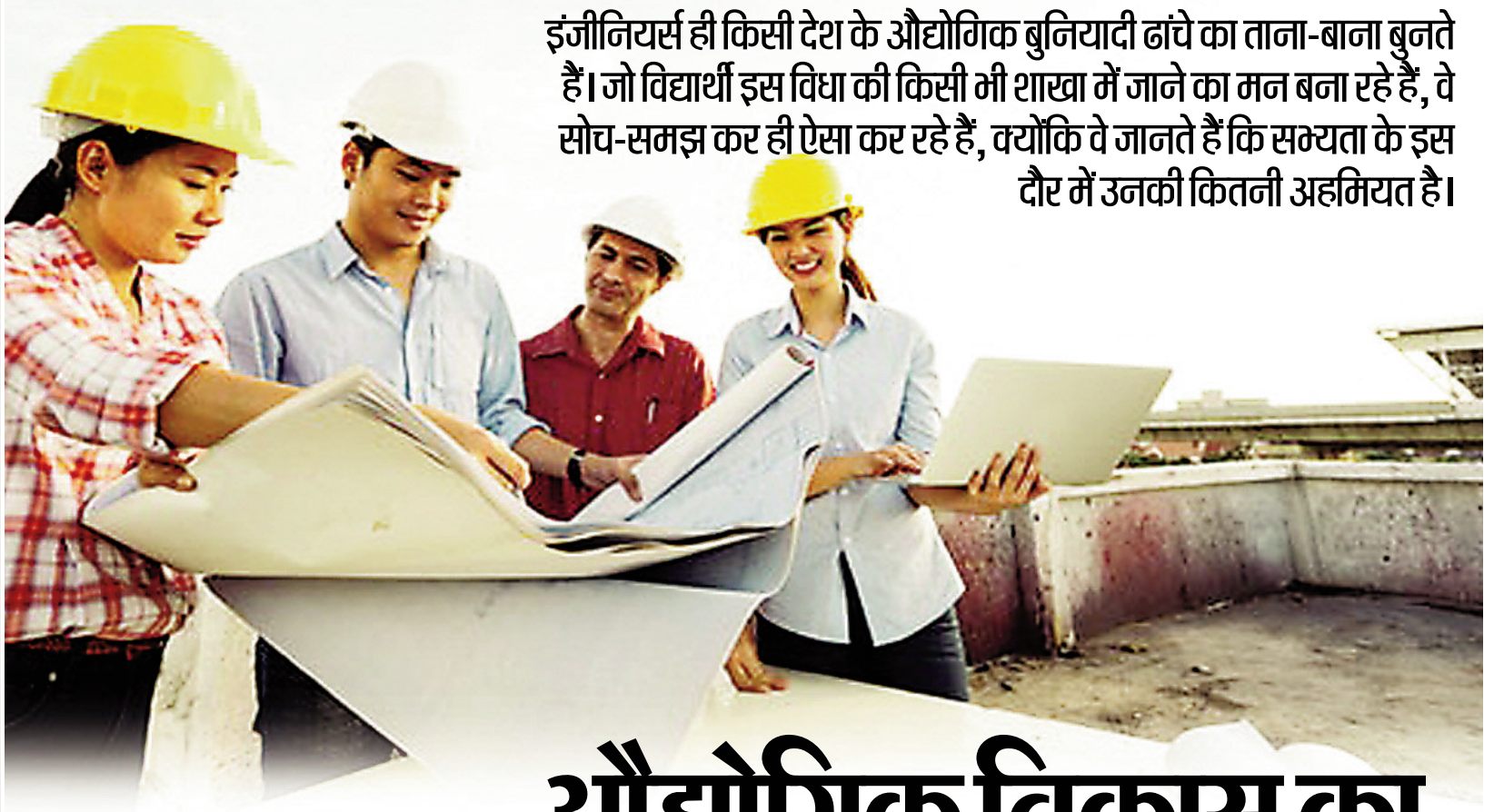

इंजीनियर्स ही किसी देश के औद्योगिक बुनियादी ढांचे का ताना-बाना बुनते हैं। जो विद्यार्थी इस विधा की किसी भी शाखा में जाने का मन बना रहे हैं, वे सोच-समझ कर ही ऐसा कर रहे हैं, क्योंकि वे जानते हैं कि सभ्यता के इस दौर में उनकी कितनी अहमियत है।

औद्योगिक विकास का ताना-बाना बुनते इंजीनियर्स

कुछ साल पहले तक जब करियर के इतने विकल्प नहीं थे, बच्चों को इंजीनियर बनाने का सपना मां-बाप के लिए सुनहरे कल का सपना होता था। चाहे कितनी ही परेशानी क्यों न उठानी पड़े, एक बार इंजीनियरिंग कॉलेज की कक्षाओं में पहुंच गए तो तकलीफें आने वाले दिनों में बरबस मुसकराने का माध्यम बन जाती थीं। आज भी न तो इस विधा की मांग में कमी आई है और न ही इसकी प्रतिष्ठा में। इतना जरूर हुआ है कि इंजीनियरिंग की जिन शाखाओं में पहले कम विद्यार्थी जाते थे, उनमें भी करियर की वही ऊंचाई दिखने लगी है, जिसके लिए इसे जाना जाता है।

इंजीनियरिंग (अभियांत्रिकी) दरअसल किसी भी वैज्ञानिक खोज और उसके व्यावसायिक अनुप्रयोग के बीच एक कड़ी के रूप में होती है और उसी रूप में वह तमाम भावी इंजीनियरों के लिए प्रेरणा स्रोत बनी हुई है। विज्ञान और गणित की सहायता से उपयोगी चीजों का निर्माण करने में ही इंजीनियरिंग की सार्थकता छिपी हुई है, यह किसी से नहीं छिपा है। यह एक ऐसी विशेषज्ञता प्रदान करती है, जिसके सहारे अवसरों के तमाम रास्ते खुल जाते हैं। इंजीनियर्स ही तो किसी देश की प्रौद्योगिकी व औद्योगिक बुनियादी ढांचे का ताना-बाना बुनते हैं। ये क्या नहीं करते- सड़क इनके बिना नहीं बनती, पुल नहीं बन पाते, भवनों का निर्माण नहीं होता, मशीनों का अस्तित्व नहीं होता, छोटे उपकरणों से लेकर हवाई जहाज तक तैयार नहीं होते, कार-कंप्यूटर-मोबाइल जिनके बिना इक्कीसवी सदी का आना फीका होता, इनके बिना नहीं बनते। कहने का तात्पर्य यही है कि प्रगति और खुशहाली का आधार इंजीनियरिंग ही है। यही वजह है कि बारहवीं की पढ़ाई पूरी करते ही इस दिशा में बढ़ने वाले विद्यार्थियों की संख्या काफी बड़ी होती है। इंजीनियर किसी भी किस्म की मशीनरी, प्रोडक्ट, सिस्टम और प्रोसेस के डिजाइन व डेवलपमेंट के लिए काम करते हैं। किसी भी प्रोजक्ट पर कितना समय लगेगा, कितना खर्च आएगा, क्या उपकरण लगेंगे, कैसे-कैसे उसका काम आगे बढ़ेगा, इन सबके पीछे उनका ही दिमाग होता है। आज इंसान के जीवन को आसान बनाने के लिए जो कुछ भी सामने आ रहा है, वह इन इंजीनियर्स की ही मेहनत का परिणाम है। ड्राइंग टेबल पर पसरी रेखाओं में भविष्य का कौन-सा उत्पाद छिपा है, यह इंजीनियर ही बता सकता है। जाहिर है ये इंडस्ट्रियल प्लांट में काम करते हैं, प्रयोगशालाओं में काम करते हैं, निर्माण स्थलों पर होते हैं, कार्यालयों में किसी अवधारणा के हर पहलू से जूझ रहे होते हैं। ये नहीं होते तो गगनचुम्बी इमारतें नहीं बनतीं, समन्दर की लहरों पर या गहराई में चलना नामुमकिन होता, आकाश में उड़ने की तो सोची ही नहीं जा सकती थी, कंप्यूटर कहां से आता, गेम कहां से बनते, बटन दबाते ही अमेरिका तो छोड़िए पास के शहर में किसी से बात नहीं हो पाती। जो विद्यार्थी इस विधा की किसी भी शाखा में जाने का मन बना रहे हैं, वे नाहक ऐसा नहीं कर रहे हैं, क्योंकि वे जानते हैं कि सभ्यता के इस दौर में उनकी कितनी अहमियत है।

विशेषज्ञता

इंजीनियरिंग की परंपरागत दो शाखाओं- सिविल और मैकनिकल- से आगे निकलते हुए आज इसकी विभिन्न शाखाएं प्रमुखता में हैं।

एग्रीकल्चरल इंजीनियरिंग

भारत जैसे कृषि प्रधान देश में इसकी सख्त जरूरत है। कृषि से जुड़े उपकरणों के डिजाइन व निर्माण, सिंचाई व फार्म मशीनरी के लिए उपकरणों के डिजाइन व निर्माण से जुड़ी होती है यह शाखा।

एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग

आकाश मार्ग से जाना इनके बिना संभव नहीं। हवाई जहाज का डिजाइन कैसा हो कि आसानी से उड़ सके, मौसम को झेल सके, इन सब पर इसमें काम होता है। इस बात पर काफी काम होता है कि हवाई जहाज के भीतर की स्पेस कैसी हो कि ज्यादा लोग भी बैठ सकें और उड़ान में कोई दिक्कत भी न आए।

कैमिकल इंजीनियरिंग

रसायनों की दुनिया बड़ी विचित्र होती है। किसके मेल से क्या बन जाएगा, यह तो कैमिकल इंजीनियर ही बता सकता है। दवाइयां, फूड प्रोसेसिंग, पेंट, टेक्सटाइल, खाद, सौन्दर्य प्रसाधन, साबुन, तेल जैसे कार्यों से जुड़ी कंपनियों में इनकी जरूरत होती है, ताकि वे शोध से रसायनों को उपयोगी व गैर-हानिकारक बना सकें।

सिविल इंजीनियरिंग

सिविल इंजीनियरिंग की ही बदौलत ये सड़कें हैं, जिन पर तेजी से चलते हुए हम विकास कर रहे हैं, इमारतें हैं, जिनमें रहने से लेकर कार्यालयों का मामला जुड़ा है, पुल हैं, जिनके बिना नदी-नाले-पहाड़-समन्दर कुछ भी पार करना असंभव होता। और तो और अपवहन प्रणाली (ड्रेनेज सिस्टम) इनके बिना नहीं बनती और शहरों का क्या हाल होता, आज आसानी से समझा जा सकता है। हड़प्पा काल तक के लोगों ने जब इनकी अहमियत समझी तो आज तो इनके बिना एक पल नहीं रहा जा सकता।

कंप्यूटर इंजीनियरिंग

आज कंप्यूटर का जमाना है, इस बात से कोई इनकार नहीं करेगा। लेकिन कंप्यूटर की सहायता से आज जो कुछ हो रहा है, वह इसके इंजीनियरों का ही तो कमाल है, जो इसके डिजाइन, सॉफ्टवेयर, हार्डवेयर पर बड़ी बारीकी से काम करते हैं और तब जाकर कहीं एक ऐसी प्रणाली बन पाती है, जिसके सहारे काम आसान हो पाते हैं।

एनवायरमेंटल इंजीनियरिंग

पर्यावरण ही तो हमारे जीवन के लिए सबकुछ है। यदि यह दूषित-प्रदूषित है तो हमारे लिए खतरा है। इससे जुड़े इंजीनियर उन परेशानियों को चिह्नित करते हैं और उनका समाधान ढूंढते हैं। हवा-पानी की स्वच्छ उपस्थिति को सुनिश्चित करना, ग्रीन हाउस उत्सर्जन को नियंत्रित रखना, पेड़-पौधे बनाए रखना, ये सब इन्हीं का तो काम है।

इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग

इलेक्ट्रिकल इक्विपमेंट, मशीनरी, टेलीकम्युनिकेशन सिस्टम, रेडियो, टीवी इत्यादि के डिजाइन, निर्माण व चलाने में इनकी भूमिका होती है। इनके बिना ऐसा नहीं हो पाएगा कि इस क्षेत्र में बेहतर से बेहतर उपकरण बनाए जाएं।

मरीन इंजीनियरिंग

समन्दर की सतह पर या फिर गहराइयों में उतरने के लिए जिन जहाजों, उपकरणों व अन्य मशीनरियों की जरूरत होती है, मरीन इंजीनियर इनसे जुड़ी हर बात पर खोज करते हैं, सुधार करते हैं और संसार को खारे पानी के साथ मीठा बर्ताव करना संभव बनाते हैं।

मैकेनिकल इंजीनियरिंग

आज जितनी भी मशीनरियां हैं और जिनके बिना अब काम करना कठिन लगने लगता है, वे सब मैकेनिकल इंजीनियर्स की डिजाइन क्षमता, निर्माण, प्रचालन व रख-रखाव संबंधी कौशल की बदौलत हैं।

माइनिंग इंजीनियरिंग

जमीन के भीतर छिपे खनिजों को बाहर निकालने के लिए जो कुछ करना पड़ता है, वह इन इंजीनियर्स की ही देन है। जमीन के नीचे सुरंग बनाने से लेकर खनिजों को बाहर निकालने तक का काम इनके सहारे चलता है।

पेट्रोलियम इंजीनियरिंग

आज पेट्रोलियम उत्पादों की जरूरत इतनी बढ़ गई है कि उनके बिना विकास का पहिया रुकने का खतरा है। तेल भंडारों की खोज करना, तेल को निकालना, रिफाइनरी तक सुरक्षित पहुंचाना इस शाखा में आता है।

जाहिर है इंजीनियरिंग की इन व अन्य तमाम शाखाओं में करियर डिजाइन की संभावनाएं मौजूद हैं। जरूरत है तो इस बात की सही समय पर, सही तरीके से तैयारी कर इंजीनियरिंग की परीक्षा दी जाए और देश के विकास में सक्रिय भागीदारी निभाई जाए।

नौकरी के अवसर

इंजीनियर्स के लिए अवसरों की कमी नहीं है। वे केंद्र सरकार या राज्य सरकार की नौकरी कर सकते हैं, सार्वजनिक उपक्रमों में काम कर सकते हैं, रक्षा सेवा में जा सकते हैं, निजी संस्थानों में काम कर सकते हैं, पावर प्लांट्स, अस्पतालों या बैंकों में काम कर सकते हैं या फिर अपनी कंसल्टेंसी खोल सकते हैं। इंजानियरिंग एक ऐसा कौशल है, जिसे जितने बड़े फलक पर आजमाया जाएगा, उतना ही बेहतर परिणाम मिलेगा। उदाहरण के लिए मैकेनिकल और इलेक्ट्रॉनिक इंजानियर्स के लिए अधिक अवसर हैं, बनिस्पत मरीन व सेरेमिक इंजीनियर्स के। सरकार भी अलग-अलग परीक्षाओं के माध्यम से सिविल, मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल व इलेक्ट्रॉनिक्स और टेलीकम्युनिकेशन शाखाओं में इंजीनियर्स की भर्ती करती है।

वेतन

इंजीनियरिंग की पढ़ाई करने के बाद जितने अवसर मिलते हैं, वे अलग-अलग शाखाओं के हिसाब से वेतन या आमदनी का जरिया बनते हैं। सिविल इंजीनियरिंग से लेकर बायोमेडिकल इंजीनियरिंग तक, मरीन इंजीनियरिंग से लेकर कंप्यूटर इंजीनियरिंग तक, सबकी अपनी मांग है और 10,000 रुपये प्रति माह से लेकर 30,000 रुपये प्रति माह की तनख्वाह मिल सकती है। अन्य क्षेत्रों की भांति इसमें भी अनुभव के साथ-साथ आमदनी बढ़ती जाती है। अपनी कंसलटेंसी का तो कोई वेतन जैसा गणित नहीं है, लेकिन काम जम जाने के बाद मामला लाखों-करोड़ों तक जा सकता है।

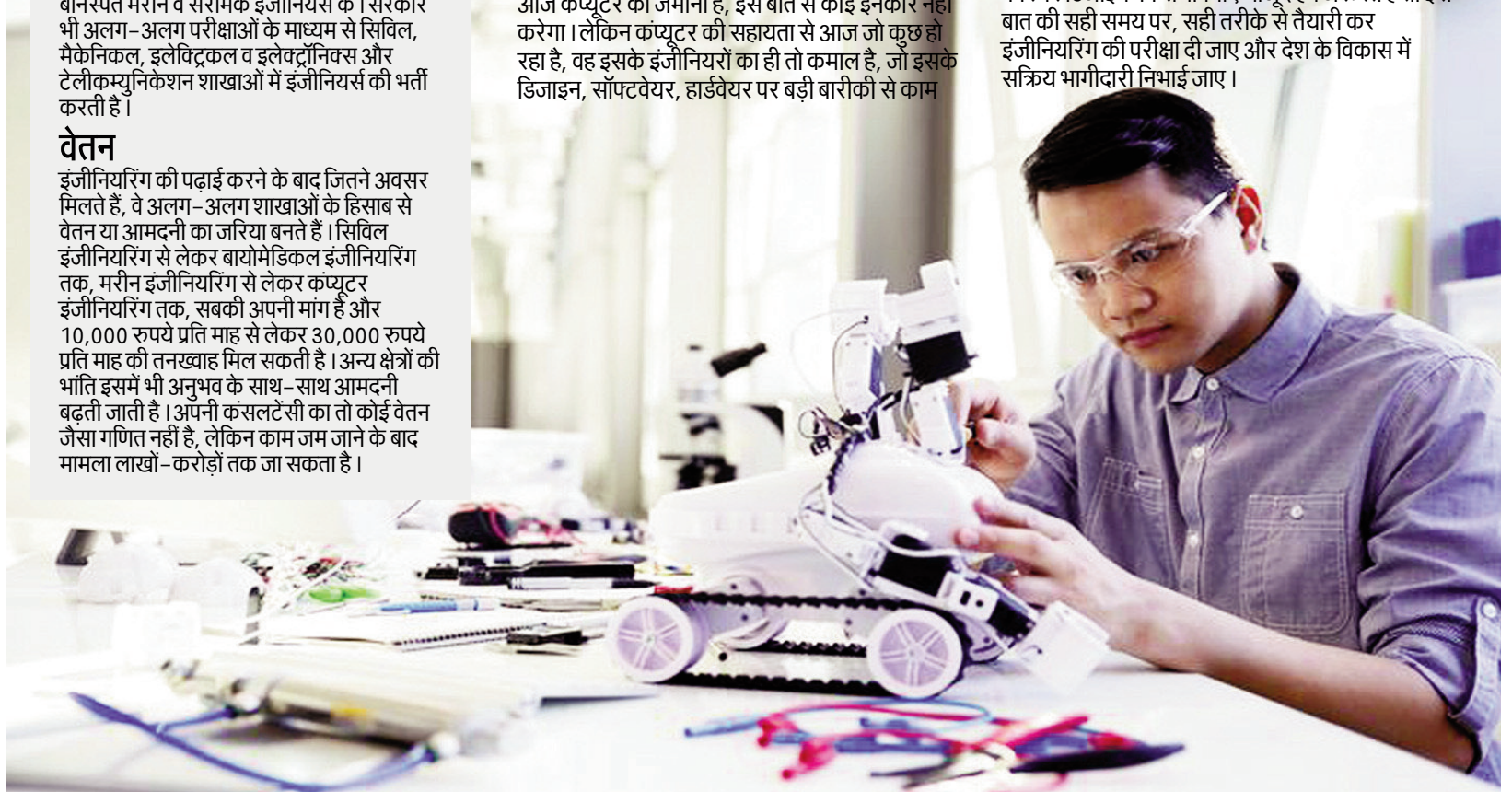

ट्रम्प बोले-पुतिन दिन में मीठी बातें, रात में बमबारी करते हैं

यूक्रेन को पैट्रियट मिसाइल भेजने का ऐलान; नाटो चीफ से जल्द मुलाकात करेंगे

एजेंसी

वॉशिंगटन डीसी, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने एक बार फिर रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पर नाराजगी जताई है। रविवार को मीडिया से बात करते हुए ट्रम्प ने कहा कि पुतिन दिन में मीठा बोलते हैं और रात में सब पर बम बरसाते हैं। हमें यह पसंद नहीं। ट्रम्प ने ऐलान किया कि अमेरिका यूक्रेन को पैट्रियट एयर डिफेंस सिस्टम देगा। इसके लिए ट्रम्प इस सप्ताह नाटो महासचिव मार्क रुटे से मुलाकात करेंगे। ट्रम्प के करीबी रिपब्लिकन सीनेटर लिंडसे ग्राहम का कहना है कि युद्ध अब निर्णायक मोड़ पर है। ट्रम्प यूक्रेन को रूस के खिलाफ सैन्य समर्थन देने के पक्ष में आ गए हैं। ग्राहम के मुताबिक, आने वाले दिनों में यूक्रेन को रिकॉर्ड स्तर पर हथियारों की आपूर्ति शुरू होगी। उन्होंने कहा, पुतिन की सबसे बड़ी भूल यह थी कि उसने ट्रम्प को हल्के में लिया। अब देखिएगा, कुछ ही हफ्तों में पुतिन पर भारी दबाव

बनाया जाएगा। पिछले हफ्ते ट्रम्प ने सोमवार को रूस को लेकर एक बड़ा ऐलान करने की बात कही थी। रविवार को पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा, कल क्या होगा, यह कल ही देखेंगे। ट्रम्प ने गुरुवार को बताया था कि नाटो सहयोगियों और यूक्रेन के बीच अमेरिका से हथियारों की आपूर्ति को लेकर एक नया समझौता हुआ है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका 300 मिलियन डॉलर (2.5 हजार करोड़ रुपए) का पैकेज यूक्रेन को भेजने की तैयारी कर रहा है। इसमें पैट्रियट मिसाइल सिस्टम और मीडियम रेंज के रॉकेट शामिल होंगे। इसके साथ ट्रम्प ने कहा कि वे सोमवार को रूस को लेकर बड़ा बयान दे सकते हैं। राष्ट्रपति बनने के बाद ये पहली बार होगा जब ट्रम्प प्रेसिडेंशियल ड्रॉडाउन अथॉरिटी के तहत यूक्रेन को हथियार भेजने की अनुमति देंगे। यह एक कानूनी तरीका है जो राष्ट्रपति को बुरे समय में अमेरिकी भंडार से सीधे हथियार भेजने की अनुमति देता है। इससे पहले ट्रम्प सरकार ने केवल पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन द्वारा मंजूर किए गए हथियार ही यूक्रेन को भेजे थे। यह हथियारों का नया समझौता अमेरिका, नाटो और यूक्रेन के बीच है। पहले अमेरिका सीधे यूक्रेन को हथियार भेजता था, लेकिन अब यह प्रक्रिया नाटो के जरिए होगी। ट्रम्प ने कहा, हम नाटो को हथियार भेजेंगे, और नाटो इनका पूरा पैसा देगा। फिर नाटो इन्हें यूक्रेन को देगा। इटली की राजधानी रोम में को यूक्रेन के पुनर्निर्माण के लिए एक सम्मेलन हुआ था। इस सम्मेलन में यूक्रेन को 10 अरब यूरो (90 हजार करोड़ रुपए) की मदद का वादा किया गया। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने इसकी जानकारी दी। यूरोपीय आयोग ने 2.3 अरब यूरो (लगभग 2.7 अरब डॉलर) की सहायता की घोषणा की। जेलेंस्की ने इस सम्मेलन में कहा कि रूस की संपत्तियों का इस्तेमाल यूक्रेन के पुनर्निर्माण के लिए किया जाना चाहिए। उन्होंने हथियारों की आपूर्ति बढ़ाने, संयुक्त रक्षा उत्पादन और निवेश की भी मांग की। रोम में 10 और 11 जुलाई 2025 को आयोजित यूक्रेन पुनर्निर्माण सम्मेलन में 38 देशों और कई अंतरराष्ट्रीय संगठनों ने हिस्सा लिया। वहीं, मलेशिया में अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव से 50 मिनट की बातचीत की।

ईरानी विदेश मंत्री बोले- नेतन्याहू कौन सा नशा कर रहे

इजराइली पीएम ने कहा था- ईरान को लंबी दूरी की मिसाइलें नहीं बनानी चाहिए

एजेंसी

तेहरान, ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने इजराइल प्रधानमंत्री का मजाक बनाया है। उन्होंने नेतन्याहू के एक बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए पूछा कि नेतन्याहू किस चीज का नशा कर रहे हैं। दरअसल नेतन्याहू ने हाल में कहा था कि ईरान को 480 किलोमीटर से ज्यादा रेंज वाली मिसाइलें नहीं बनानी चाहिए। इसे लेकर अराघची ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर नेतन्याहू की आलोचना की और गाजा युद्ध से लेकर ईरान के परमाणु कार्यक्रम तक इजराइल की नीतियों को विफल

बताया। ईरानी विदेश मंत्री ने कहा कि इजराइल ने भले ही जंग में ईरान के परमाणु वैज्ञानिकों को निशाना मारा है, लेकिन उनकी 100 काबिल लोग तैयार हैं। अराघची ने लिखा कि नेतन्याहू ने सोचा था कि वह ईरान की 40 साल की परमाणु उपलब्धियों को मिटा देंगे। उन्होंने हमारे दर्जनों वैज्ञानिकों को मरवाया, लेकिन हर एक वैज्ञानिक ने 100 से ज्यादा काबिल शिष्य तैयार किए हैं।

अब वही उन्हें जवाब देंगे। अराघची ने आरोप लगाया कि नेतन्याहू अब अपनी सैन्य विफलताओं को छुपाने के लिए अंतरराष्ट्रीय मंचों पर दौड़ लगा रहे हैं। यूएन की इंटरनेशनल एटॉमिक एनर्जी एजेंसी (आईएईए) के डायरेक्टर राफेल ग्रॉसी ने 29 जून को दिए एक इंटरव्यू में कहा था कि ईरान की कुछ न्यूक्लियर फैसिलिटी अभी भी बची हुई हैं। उन्होंने कहा कि ईरान कुछ महीनों में अपना न्यूक्लियर प्रोग्राम फिर से शुरू कर सकता है। इजराइल ने 13 जून को ईरान के परमाणु और सैन्य ठिकानों पर हमले शुरू किए थे।

बाद में अमेरिकी ने बी-2 बॉम्बर से हमला कर ईरान के फोर्डो, नतांज और इस्फहान न्यूक्लियर साइट्स को तबाह करने का दावा किया था। हमलों के बाद ईरान ने आईएईए को फोर्डो न्यूक्लियर साइट की जांच करने से रोक दिया था। ईरान ने आईएईए से अपनी साझेदारी तोड़ ली है।

दुर्लभ धातुओं को लूट रहे चीन की वजह से म्यांमार के पर्यावरण पर मंडराया संकट

थाईलैंड तक खतरा बढ़ा

पिछले कुछ वर्षों में दक्षिण-पूर्व एशिया का संघर्षग्रस्त देश म्यांमार इन दुर्लभ धातुओं के प्रमुख स्त्रोत के रूप में उभरा है। चीन की दक्षिण-पश्चिमी सीमा से सटे इस देश में दशकों से जारी गृहयुद्ध और सैन्य तानाशाही ने श्रम और पर्यावरण संबंधी कानूनों को लगभग समाप्त कर दिया है।

एजेंसी

आधुनिक जीवन की जरूरत बन चुके मोबाइल फोन, इलेक्ट्रिक कार जैसी तकनीकों में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली दुर्लभ धातुएं आज पूरी दुनिया के लिए रणनीतिक संसाधन बन चुकी हैं। हालांकि इन धातुओं का खनन बेहद महंगा, कठिन और पर्यावरण के लिए विनाशकारी साबित हो रहा है। इसके अलावा इन धातुओं के परिष्करण पर चीन का एकाधिकार इसे वैश्विक राजनीति और पर्यावरणीय चिंता का विषय भी बना देता है। हम आपको बता दें कि पिछले कुछ वर्षों में दक्षिण-पूर्व एशिया का संघर्षग्रस्त देश म्यांमार इन दुर्लभ धातुओं के प्रमुख स्त्रोत के रूप में उभरा है। चीन की दक्षिण-पश्चिमी सीमा से सटे इस देश में दशकों से जारी गृहयुद्ध और सैन्य तानाशाही ने श्रम और पर्यावरण संबंधी कानूनों को लगभग समाप्त कर दिया है। इसी का फायदा उठाकर चीन की कंपनियां म्यांमार में अरबों डॉलर मूल्य की दुर्लभ धातुएं निकाल रही हैं और उन्हें चीन भेज रही हैं। सगाईंग, काचिन और शान राज्य, जो म्यांमार के चीन से सटे उत्तरी हिस्सों में आते हैं, दुर्लभ धातुओं के सबसे बड़े भंडार माने जाते हैं। यह वही क्षेत्र है जहां न कानून का डर है, न पर्यावरण की परवाह और न ही मानवाधिकारों का संरक्षण। चीन ने इसी हालात का भरपूर फायदा उठाया है। चीन की सरकारी कंपनियां और उनके माध्यम से जुड़े अवैध नेटवर्क विद्रोही गुटों से सीधे संपर्क में रहते हैं। बदले में ये गुट खनिज उत्खनन और तस्करी की इजाजत देते हैं। इस तरह चीन बिना किसी रोक-टोक के कच्चा माल सस्ते दाम पर हासिल कर रहा है। दुर्लभ धातुओं के खनन के लिए अत्याधुनिक रसायन और तकनीक की जरूरत होती है। चीन लीचिंग टेक्नोलॉजी (तेजाब के जरिए खनिज निकालना) और रसायन म्यांमार भेजता है। स्थानीय समूह इनका उपयोग कर कच्चा खनिज निकालते हैं, जिसे सीधे ट्रकों के जरिए चीन भेज दिया जाता है। इसके बाद चीन अपने देश में इन धातुओं को शुद्ध कर वैश्विक बाजार में महंगे दामों पर बेचता है। हम आपको बता दें कि चीन म्यांमार की तंगहाल अर्थव्यवस्था का सबसे बड़ा साझेदार है। जब पूरी दुनिया ने सैन्य शासन पर प्रतिबंध लगाए, तब भी चीन ने व्यापार जारी रखा। इस स्थिति का लाभ उठाकर चीन म्यांमार की अर्थव्यवस्था और प्रशासन दोनों पर आर्थिक दबाव बनाकर नियंत्रण कर रहा है। हम आपको बता दें कि म्यांमार के उत्तरी राज्यों काचिन और शान (जहां से चीन की सीमा लगती है) दुर्लभ धातुओं, खासकर टरबियम और डिस्प्रोसियम जैसे धातुओं का केंद्र बन चुके हैं। खनन के लिए पूरे पहाड़ों को उखाड़ना और उनमें तेजाब डालकर खनिज निकालना पड़ता है, जिससे जमीन और पानी दोनों जहरीले हो रहे हैं। काचिन राज्य में हजारों एकड़ बंजर हो चुकी भूमि और जहरीली मिट्टी इसका प्रमाण है। अब यह संकट शान राज्य में फैला है, जहां चीन समर्थित वा जातीय समूह का कब्जा है।

बांग्लादेश ने पीएम मोदी को 1000 किलो आम भेजे

यूनुस ने बरकरार रखी मैंगो डिप्लोमेसी, ममता को भी हरिभंगा आम गिफ्ट किए

एजेंसी

ढाका, बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख प्रोफेसर मुहम्मद यूनुस ने हरिभंगा किस्म के 1,000 किलोग्राम आम भारत भेजे हैं। इन्हें पीएम मोदी, भारत के राजनयिकों और दूसरे अधिकारियों को उपहार में दिए जाएंगे। भारत के साथ रिश्तों को बेहतर बनाने की कोशिश के तहत बांग्लादेश की इस पहल को मैंगो डिप्लोमेसी कहा जा रहा है। इसके तहत अंतरिम सरकार ने न सिर्फ

केंद्र सरकार को, बल्कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा को भी हरिभंगा आम भेजे हैं। ये 300 किलोग्राम आम 60 डिब्बों में पैक करके गुरुवार शाम करीब 5:15 बजे अखौरा लैंड पोर्ट के जरिए भेजे गए। बांग्लादेश में हरिभंगा प्रीमियम आम माना जाता है। इनकी गुणवत्ता बहुत अच्छी मानी जाती है। भारत में इसे काफी पसंद किया जाता है। बांग्लादेशी अखबार डेली सन की रिपोर्ट के मुताबिक बांग्लादेश उच्चायोग के एक अधिकारी ने बताया कि ये आम सद्भावना के प्रतीक के तौर पर भेजे गए हैं और सोमवार को नई दिल्ली पहुंचने वाले हैं।

बांग्लादेश से भारत में आम भेजने की यह परंपरा नई नहीं है। पहले की सरकारें भी भारत को आम भेजती रही हैं। इस बार यह कदम खास इसलिए माना जा रहा है, क्योंकि पिछले साल छात्रों के नेतृत्व में हुए बड़े प्रदर्शनों के बाद प्रधानमंत्री शेख हसीना को सत्ता से हटना पड़ा था। उनके हटने के बाद भारत और बांग्लादेश के रिश्तों में थोड़ी दूरी आ गई थी, क्योंकि हसीना भारत की करीबी मानी जाती थीं।

भारत ज्यादा कुछ नहीं कर सकता

केरल की नर्स निमिषा प्रिया की फांसी को लेकर सुप्रीम कोर्ट में सरकार ने किया साफ

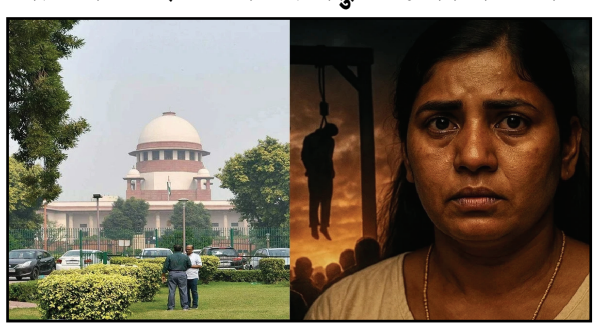

एजेंसी

सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि यमन में केरल की नर्स निमिशा प्रिया की फांसी को रोकने के लिए वह कुछ खास नहीं कर सकती। लाइव लॉ के अनुसार, सरकार के वकील एजी वेंकटरमणी ने कहा यमन की संवेदनशीलता को देखते हुए सरकार कुछ नहीं कर सकती...इसे कूटनीतिक रूप से मान्यता नहीं दी गई है। हालाँकि, सरकार ने कहा कि वह निजी माध्यमों से निमिषा को बचाने की पूरी कोशिश कर रही है, लेकिन वह केवल इतना ही कर सकती है। वकील ने शीर्ष अदालत को बताया कि एक हद है जहाँ तक भारत सरकार जा सकती है। हम उस हद तक पहुँच चुके हैं। यमन दुनिया के किसी भी अन्य हिस्से जैसा नहीं है। हम सार्वजनिक रूप से बात करके स्थिति को जटिल नहीं बनाना चाहते थे, हम निजी स्तर पर कोशिश कर रहे हैं। यमन की अदालत के दस्तावेजों के अनुसार, निमिषा प्रिया ने जुलाई 2017 में कथित तौर पर अपने स्थानीय व्यापारिक साझेदार तलाल अब्दो मेहदी को नशीला पदार्थ देकर उसकी हत्या कर दी और एक अन्य नर्स की मदद से उसके शरीर के टुकड़े-टुकड़े कर दिए। इसके बाद उसने उसके क्षत-विक्षत अंगों को एक भूमिगत टैंक में फेंक दिया। सूत्रों ने बताया कि मेहदी की हत्या का पता चलने के बाद निमिषा

वकील ने शीर्ष अदालत को बताया कि एक हद है जहाँ तक भारत सरकार जा सकती है। हम उस हद तक पहुँच चुके हैं। यमन दुनिया के किसी भी अन्य हिस्से जैसा नहीं है। हम सार्वजनिक रूप से बात करके स्थिति को जटिल नहीं बनाना चाहते थे, हम निजी स्तर पर कोशिश कर रहे हैं।

को गिरफ्तार कर लिया गया और उसने कथित तौर पर अपने एक बयान में हत्या की बात कबूल कर ली। सना की अधीनस्थ अदालत ने उसे मौत की सजा सुनाई है। उसने इस फैसले को यमन की सर्वोच्च अदालत में चुनौती दी, लेकिन उसकी अपील खारिज कर दी गई और मौत की सजा बरकरार रखी गई। विदेश मंत्रालय ने कहा है कि वह मामले से जुड़े घटनाक्रम पर कड़ी नजर रख रहा है और हरसंभव मदद मुहैया करा रहा है। इस बीच भारत का उच्चतम न्यायालय सोमवार को उस याचिका पर सुनवाई करेगा जिसमें केंद्र को भारतीय नर्स को बचाने के लिए राजनयिक माध्यमों का इस्तेमाल करने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया है। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ इस मामले की सुनवाई कर सकती है। सूत्रों ने बताया कि निमिषा प्रिया 2008 से यमन में नर्स के तौर पर काम कर रही थी। उन्होंने बताया कि 2011 में शादी के बाद वह अपने पति टॉमी थॉमस के साथ यमन पहुंची थी।

सीएम मान के आवास पर कैबिनेट की बैठक खत्म

बेअदबी के खिलाफ बिल को मिली मंजूरी

वर्तमान में, पंजाब में बेअदबी के मामलों में कड़ी सजा देने का कोई सख्त कानूनी प्रावधान नहीं है। प्रस्तावित कानून जानबूझकर धार्मिक ग्रंथों या पवित्र स्थलों का अपमान करने के दोषी पाए जाने वाले व्यक्तियों को आजीवन कारावास की सजा देने का प्रावधान करता है।

एजेंसी

एक बड़े घटनाक्रम में, आज पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के आवास पर एक महत्वपूर्ण कैबिनेट बैठक हुई। पंजाब कैबिनेट ने धार्मिक ग्रंथों और पूजा स्थलों के अपमान से निपटने के उद्देश्य से बहुप्रतीक्षित बेअदबी के खिलाफ विधेयक को मंजूरी दे दी। कैबिनेट की मंजूरी के साथ, यह विधेयक आज बाद में पंजाब विधानसभा में पेश किए जाने की संभावना है। यह कदम बेअदबी के खिलाफ एक सख्त कानून की बढ़ती जन माँग के बीच उठाया गया

है, जो एक संवेदनशील मुद्दा है और जिसने अतीत में व्यापक विरोध और आक्रोश पैदा किया है। वर्तमान में, पंजाब में बेअदबी के मामलों में कड़ी सजा देने का कोई सख्त कानूनी प्रावधान नहीं है। प्रस्तावित कानून जानबूझकर धार्मिक ग्रंथों या पवित्र स्थलों का अपमान करने के दोषी पाए जाने वाले व्यक्तियों को आजीवन कारावास की सजा देने का प्रावधान करता है। इस विधेयक में बेअदबी के मामलों की सुनवाई और समय पर न्याय सुनिश्चित करने के लिए विशेष फास्ट-ट्रैक अदालतें स्थापित करने का भी प्रावधान है। इसके अतिरिक्त, इस कानून के तहत दोषियों को पैरोल नहीं दी जाएगी, जो शून्य-सहिष्णुता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे पहले मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि उनकी सरकार बेअदबी के कृत्यों के खिलाफ कड़ी सजा के लिए राज्य विधानसभा में एक मसौदा विधेयक पेश करेगी। मान ने कहा कि सरकार प्रस्तावित कानून के लिए सभी हितधारकों और धार्मिक संस्थाओं की राय लेगी। मान मंत्रिमंडल की बैठक की अध्यक्षता करने के बाद मीडिया को संबोधित कर रहे थे। विधेयक पर एक सवाल का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री मान ने कहा, हम इसका मसौदा तैयार कर रहे हैं। एक कानून बनाया जाएगा। लेकिन इसके लिए हम हितधारकों, धार्मिक संस्थाओं से बात करेंगे। हम मसौदा विधेयक (विधानसभा में) पेश करेंगे। उन्होंने कहा, लेकिन अंतिम मसौदे के लिए हमें समय चाहिए। इसे विधानसभा में पेश करने के बाद, हम जनता की राय लेंगे।

आंध्र प्रदेश में आम से लदा ट्रक पलटने से नौ लोगों की मौत और 11 हुए घायल

मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने व्यक्त किया शोक

आंध्र प्रदेश के अन्नामय्या ज़िले में आम से लदी एक लॉरी के पलट जाने से कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई और 11 अन्य घायल हो गए। यह घटना रविवार रात ज़िले के पुल्लमपेट मंडल के रेड्डीचेरुवु कट्टा के पास हुई।

एजेंसी

पुलिस ने सोमवार को बताया कि अन्नामय्या जिले के रेड्डीचेरुवु के पास एक आम से लदी लॉरी के एक मिनी ट्रक पर पलट जाने से नौ लोगों की मौत हो गई और ग्यारह अन्य घायल हो गए। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने रविवार देर रात अन्नामय्या जिले के पुल्लमपेट मंडल के रेड्डीचेरुवु कट्टा के पास आम से लदी एक लॉरी के पलट जाने से नौ लोगों की मौत पर गहरा दुख व्यक्त किया है। आंध्र प्रदेश में आम से लदा ट्रक पलटने से नौ लोगों की मौत, 11 घायलआंध्र प्रदेश के अन्नामय्या ज़िले में आम से लदी एक लॉरी के पलट जाने से कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई और 11 अन्य घायल हो गए। यह घटना रविवार रात ज़िले के पुल्लमपेट मंडल के रेड्डीचेरुवु कट्टा के पास हुई। आम से लदे ट्रक पर 20 से ज्यादा लोग सवार थे। रात में जब यह हादसा हुआ, तब पीड़ित राजमपेट से रेलवे कोडुरु जा रहे थे। पुलिस के अनुसार, दुर्घटना रविवार रात लगभग 9:30 बजे हुई। एक पुलिस अधिकारी ने कहा, ₹यह तब हुआ जब लॉरी का पिछला पहिया रेत में फंस गया और संतुलन खोकर एक मिनी ट्रक पर गिर गया।

ना मेंटेनेंस इश्यू, ना एयरक्राफ्ट-इंजन में प्रॉब्लम

प्रारंभिक रिपोर्ट पर बोले एयर इंडिया सीईओ- जल्दबाजी में न निकालें निष्कर्ष

कैम्पबेल विल्सन ने कहा कि हम सभी विमानों की आवश्यक जांच जारी रखेंगे और भविष्य में जिन नए विमानों की जांच की सिफारिश अधिकारी करेंगे, उनकी भी ऐसे ही जांच करेंगे। ऐसी व्याख्याओं पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय, मेरा सुझाव है कि हम इस बात पर ध्यान दें कि प्रारंभिक रिपोर्ट में विमान या इंजन में कोई यांत्रिक या रखरखाव संबंधी समस्या नहीं पाई गई थी, और सभी अनिवार्य रखरखाव कार्य पूरे कर लिए गए थे।

एजेंसी

एअर इंडिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) कैम्पबेल विल्सन ने कहा एअर इंडिया विमान दुर्घटना पर वायु यान दुर्घटना अन्वेषण ब्यूरो (एएआईबी) की प्रारंभिक रिपोर्ट में विमान या इंजन में कोई यांत्रिक या रखरखाव संबंधी समस्या नहीं पायी गयी। एएआईबी की प्रारंभिक रिपोर्ट पर एअर इंडिया के सीईओ ने कहा पायलटों ने उड़ान से पहले श्वांस विश्लेषक परीक्षण पास कर लिया था, उनकी चिकित्सा स्थिति के संबंध में कोई अवलोकन नहीं किया गया था। एएआईबी की प्रारंभिक रिपोर्ट में न तो

कोई कारण बताया गया और न ही कोई सिफारिश की गई, सभी से आग्रह है कि वे समय से पहले निष्कर्ष निकालने से बचें। ईंधन की गुणवत्ता में कोई समस्या नहीं थी और टेक-ऑफ रोल में कोई असामान्यता नहीं थी। पायलटों ने अनिवार्य उड़ान-पूर्व श्वास विश्लेषक परीक्षण पास कर लिया था और उनकी चिकित्सा स्थिति से संबंधित कोई अवलोकन नहीं किया गया था। एअर इंडिया के सीईओ ने कहा कि अत्यधिक सावधानी बरतते हुए बेड़े में शामिल प्रत्येक बोइंग 787 विमान की दुर्घटना के कुछ दिनों के भीतर जांच की गई और उन्हें सेवा के लिए उपयुक्त पाया गया है। कैम्पबेल विल्सन ने कहा कि हम सभी विमानों की आवश्यक जांच जारी रखेंगे और भविष्य में जिन नए विमानों की जांच की सिफारिश अधिकारी करेंगे, उनकी भी ऐसे ही जांच करेंगे। ऐसी व्याख्याओं पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय, मेरा सुझाव है कि हम इस बात पर ध्यान दें कि प्रारंभिक रिपोर्ट में विमान या इंजन में कोई यांत्रिक या रखरखाव संबंधी समस्या नहीं पाई गई थी, और सभी अनिवार्य रखरखाव कार्य पूरे कर लिए गए थे। ईंधन की गुणवत्ता में कोई समस्या नहीं थी और टेक-ऑफ रोल में कोई असामान्यता नहीं थी। पायलटों ने अनिवार्य उड़ान-पूर्व श्वास विश्लेषक परीक्षण पास कर लिया था